हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 12 जून 2025 | अंक 237/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान हो ?

डायबेटीज चेकअप करके

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक

द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

कोरोना संक्रमणों की रफ्तार फिर बड़ी

देश में एक्टिव केस 7,000 पार, 24 घंटे में 306 नए मरीज और 6 मौतें दर्ज

नई दिल्ली.

देश में एक बार फिर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते नजर आ रहे हैं। हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने वाले मंत्रियों के लिए अब आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। यह फैसला कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के चलते एहतियात के तौर पर लिया गया है। बिना टेस्ट रिपोर्ट के अब कोई भी मंत्री प्रधानमंत्री से मुलाकात नहीं कर सकेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में देशभर में कोविड-19 के 306 नए केस दर्ज किए गए हैं, जबकि संक्रमण के चलते 6 लोगों की मौत हुई है। अब तक देश में एक्टिव केसों की संख्या 7,121 तक पहुंच गई है। इससे साफ है कि संक्रमण की रफ्तार

फिर से तेज हो रही है। मौत के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीते एक दिन में केरल से 3, कर्नाटक से 2 और महाराष्ट्र से 1 व्यक्ति की जान गई है।

इसके अलावा, राज्यों में कोरोना के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। केरल में सबसे अधिक 170 नए केस सामने आए हैं, जिससे राज्य में एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 2,223 हो गई है। गुजरात में 114 नए केस आए हैं और वहां कुल एक्टिव केस 1,223 तक पहुंच गए हैं। कर्नाटक में 100 नए केस सामने आए, जिससे वहां एक्टिव केस की संख्या 459 हो गई है। दिल्ली में कुछ राहत जरूर देखने को मिली है। सोमवार को जहां 728 केस दर्ज किए गए थे, वहीं मंगलवार को यह संख्या घटकर 691 रह गई। हालांकि, केरल में सबसे अधिक 2,053 एक्टिव केस बने हुए हैं। वहीं बीते 24 घंटे में देशभर में कुल 96 नए मरीजों की पुष्टि हुई है।

सरकारी अस्पतालों की तैयारियां तेज: स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बढ़ते मामलों को देखते हुए देश के सभी सरकारी अस्पतालों में तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं। आइसोलेशन वार्ड तैयार किए जा रहे हैं और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

फ्लू जैसे मौसमी संक्रमण का रूप

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड वायरस एसएआरएस-सीओ वि -2 अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। हालांकि यह महामारी के रूप में नहीं बल्कि फ्लू जैसे मौसमी संक्रमण का रूप ले चुका है। विशेषज्ञ मानते हैं कि समय-समय पर इस वायरस का उभार होता रहेगा, इसलिए सतर्कता जरूरी है। सरकार भी इस स्थिति को गंभीरता से ले रही है और किसी भी संभावित लहर से पहले तैयारी सुनिश्चित करना चाहती है। लोगों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें, मास्क का उपयोग करें और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ से बचें।

सुकमा में दो नक्सली मुठभेड़ में मारे गए

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को सुकमा जिले के कुकानार थाना अंतर्गत पुसगुन्ना क्षेत्र में पुलिस एवं सुकमा डीआरजी की संयुक्त पुलिस टीम को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिलने पर बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि सर्चिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में दो नक्सलियों को जवानों ने न्यूट्रलाइज किया है, जिनमें 5 लाख रुपए का इनामी पेदारास एलओएस कमांडर बमन भी शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे सुरक्षाबल के जवान पूरी ताकत से नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने जवानों की इस बहादुरी और अदम्य साहस की सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ यह सफलता सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जवानों को हर संभव मदद एवं सहयोग दिया जाएगा।

दिल्ली में ई-रिक्शा कर रहे हैं 120 करोड़ की बिजली चोरी

नई दिल्ली.

दिल्ली की सड़कों पर ई-रिक्शा की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है. आज की तारीख में इनकी अनुमानित संख्या लगभग 1.6 लाख है, लेकिन जानकारों की माने तो इनमें से महज करीब 50,000 ही पंजीकृत हैं. पर्यावरण के लिए यह स्वच्छ और किफायती परिवहन तो है, लेकिन इसके साथ प्राइवेट डिस्कॉम्स के लिए एक गंभीर मसला भी सामने आ रहा है और वो बिजली चोरी और सुरक्षा संबंधी खतरे से जुड़ा है. एक सर्वे के जरिए डिस्कॉम्स ने पता लगाया है कि दिल्ली में लगभग 60% ई-रिक्शा बिजली चोरी में शामिल हैं, जिससे शहर में 15-20 मेगावाट की बिजली बर्बाद हो रही है, और इसका वार्षिक आर्थिक बोझ लगभग 120 करोड़ रुपये का है. डिस्कॉम के अधिकारी कहते हैं कि परंपरागत बिजली चोरी से अलग यह ऐसी चोरी का एक नया रूप है. ई-रिक्शा अपने आप में खतरनाक नहीं हैं, लेकिन गैरकानूनी तरीके से बिजली चोरी कर उनके चार्जिंग से जुड़ी समस्या काफी गंभीर है. खुले बिजली के तार, नकली या खराब क्वालिटी की बैटरियां अक्सर शॉर्ट सर्किट और आग लगने का कारण बनती हैं.

ताइवान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया

ताइपे.

ताइवान में एक बार फिर भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए है। भूकंप की जानकारी अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने दी है। केंद्रीय मौसम प्रशासन ने भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी है।एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र हुआलिएन शहर से लगभग 71 किलोमीटर दक्षिण में 31.1 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। द्वीप के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले पश्चिमी भाग की तुलना में हुआलिएन की आबादी अपेक्षाकृत कम है।

राजधानी ताइपे में इमारतें करीब एक मिनट तक हिलती रहीं। भूकंप में किसी बड़ी क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। ताइवान भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इससे पहले इसी साल 9 अप्रैल को भी ताइवान की राजधानी ताइपे में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई थी। ताइवान में 21 सितंबर

भूकंप आए और इनमें से 214 खतरनाक थे। साल 1991 से 2004 तक भूकंप के 18,649 झटके आए। साल 1999 में सबसे ज्यादा बार भूकंप आया और 49,919 बार धरती कांपी। ताइवान में साल 1900 से अब तक 96 बार जानलेवा भूकंप आ चुके हैं। धरती की बाहरी सतह कई टुकड़ों में बंटी हुई है जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये प्लेट्स लगातार बहुत धीमी गति से हिलती रहती हैं। जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं, खिसकती हैं या एक-दूसरे के नीचे सरकती हैं, तो धरती की सतह में तनाव उत्पन्न होता है। जब यह तनाव एक सीमा से अधिक बढ़ जाता है, तो वह ऊर्जा एक झटके के रूप में बाहर निकलती है, जिससे भूकंप आतें हैं।

1999 को सबसे भयानक भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 7.7 थी। इसमें 2400 लोगों की मौत हो गई थी और करीब एक लाख लोग घायल हुए थे। साल 1900 से 1991 तक देश में हर साल करीब 2200

रवींद्र नगर इलाके में दो समूहों के बीच झड़प

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में एक बार फिर से दो समूहों के बीच झड़प की खबर सामने आई है। ये झड़प पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के रविन्द्र नगर इलाके में हुई है। रविंद्र नगर इलाके में दो समुदायों को बीच झड़प के दौरान शिव मंदिर पर हमला किया गया है। घटना के बाद इलाके में पुलिस फ़ोर्स को तैनात किया गया है। इस झड़प को लेकर केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए पश्चिम बंगाल के हिंदुओं को एकजुट हो जाना चाहिए। दक्षिण 24 परगना के रविन्द्र नगर इलाके में दो समूहों के बीच झड़प को लेकर पुलिस ने भी जानकारी साझा की है। पुलिस के मुताबिक, "झड़प उस स्थान पर तुलसी मंच बनाने को लेकर शुरू हुई जहां एक फल विक्रेता आम बेचता था। फल विक्रेता कुछ दिनों के लिए कहीं चला गया था। बीच में तुलसी मंच बन गया। आज जब फल विक्रेता वापस आया तो उसे गुस्सा आया और उसने तुलसी मंच देखा जहाँ वह फल बेचता था। जानकारी के मुताबिक, दक्षिण 24 परगना के रविन्द्र नगर में हुई झड़प के दौरान शिव मंदिर पर हमला किया गया है। हिंदू पक्ष के तुलसी मंच बनाने पर मुस्लिम पक्ष के लोगों ने मंदिर पर हमला कर दिया। झड़प के दौरान पुलिस पर भी पथराव किया गया है।

दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

जयपुर. राजस्थान में जयपुर जिले में बुधवार सुबह 6 बजे के करीब भीषण एक्सीडेंट हो गया। दूल्हा-दुल्हन समेत 5 की मौत, 4 घायल दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे-148 पर तेज रफ्तार कैंटर ने बारातियों से भरी जीप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दूल्हा-दुल्हन समेत 5 बारातियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें निम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हादसे में जान गंवाने वालों में नवविवाहित जोड़ा, उनके परिजन और रिश्तेदार भी शामिल हैं। सभी यात्री मध्यप्रदेश में आयोजित विवाह समारोह से लौट रहे थे।

राजस्थान में प्रचंड गर्मी, 48 डिग्री पहुंचा पारा

जयपुर.

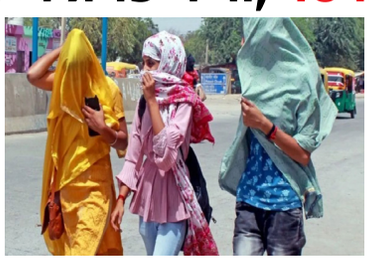

राजस्थान में गर्मी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है. कई दिन से पड़ रही भीषण गर्मी ने लगभग पूरे राजस्थान को झुलसा दिया है. प्रदेश के सरहदी जिले गंगानगर में बुधवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. यही नहीं मौसम विभाग ने राज्य में तापमान और बढ़ने का अनुमान जताते हुए भीषण लू चलने की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को दिन में अधिकतम तापमान गंगानगर में 48 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है. यहां लगातार चौथे दिन पारा 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया. इसके अलावा अधिकतम तापमान चूरू और फलोदी में 45.8 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 45.7 डिग्री, बीकानेर में 45.1 डिग्री, अलवर में 44.8 डिग्री, पिलानी में 44.7 डिग्री, बाड़मेर में 44.2 डिग्री, जैसलमेर में 43.7 डिग्री, जोधपुर में 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. राजधानी जयपुर में बुधवार को अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है. राजस्थान में हिल स्टेशन माउंट आबू को छोड़ दें तो ज्यादातर जगह अधिकतम तापमान 41 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया है. प्रदेश में लोगों को प्रचंड गर्मी से अभी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है. मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में आगामी 48 घंटे में तापमान में 1 से 2 डिग्री और बढ़ोतरी होने और बीकानेर संभाग के गंगानगर, हनुमानगढ़ में 11-13 जून अधिकतम तापमान 47-48 डिग्री रहने, भीषण लू चलने का अनुमान है.

पहला भारतीय गगनयात्री भेजने वाला एक्सिओम 04 मिशन फिर स्थगित

नई दिल्ली. भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरने वाला एक्सिओम-4 मिशन एक बार फिर से टाल दिया गया है। इसका कारण सपकेक्स के फाल्कन 9 रॉकेट में लिक्विड ऑक्सीजन लीक का पता चलना है, जो रॉकेट के परीक्षण के दौरान सामने आया। इस लीक को ठीक करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है, जिसके कारण लॉन्च की नई तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान

संगठन ने मिशन के टलने पर बताया कि लॉन्च पैड पर किए गए सात सेकंड के हॉट टेस्ट के दौरान प्रोपल्शन बे में लॉक्स (लिक्विड ऑक्सीजन) लीक होने लगा। इस वजह से मिशन को टाल दिया गया है, पहले लीक ठीक होगा, फिर तमाम टेस्ट के बाद ही मिशन को लॉन्च करने की मंजूरी मिलेगी। बता दें कि अभी अगली तारीख नहीं बताई गई है। इसरो ने एक्स पर एक और पोस्ट करते हुए बताया कि आईएसएस पर पहली भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून 2025 को लॉन्च होने वाले एक्सिओम 04 मिशन को स्थगित कर दिया गया है। फाल्कन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर चरण के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए लॉन्च वाहन की तैयारी के हिस्से के रूप में, लॉन्च पैड पर सात सेकंड का हॉट टेस्ट किया गया। ये समझा जाता है कि परीक्षण के दौरान प्रणोदन खाड़ी में एलओएक्स रिसाव का पता चला था। इसरो टीम द्वारा एक्सिओम और स्पेस एक्स के विशेषज्ञों के साथ इस विषय पर चर्चा के आधार पर, लॉन्च के लिए मंजूरी देने से पहले रिसाव को ठीक करने और आवश्यक सत्यापन परीक्षण करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए आईएसएस पर पहली भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून 2025 को होने वाले एक्सिओम 04 के प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया गया है।

कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस की सभी सीटें 10 दिन तक फुल

जबरदस्त उत्साह के बीच बढ़ी बुकिंग, रेलवे: दो ट्रेनें भी यात्रियों की मांग को पूरा नहीं कर पा रहीं

जम्मू.

जम्मू-कश्मीर की वर्षों पुरानी रेल संपर्क की महत्वाकांक्षा अब साकार हो चुकी है। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज के माध्यम से केंद्र शासित प्रदेश को देश के प्रमुख रेल नेटवर्क से जोड़ दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून को इस ऐतिहासिक पुल पर से दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। अगले दिन यानी 7 जून से इन दोनों ट्रेनों को आम यात्रियों के लिए शुरू किया गया, और पहले ही दिन से जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। रेल मंत्रालय के अनुसार, कटरा से श्रीनगर के लिए चलने वाली दोनों वंदे भारत ट्रेनों की सभी सीटें अगले 10 दिनों के लिए फुल हो चुकी हैं। ट्रेन नंबर 26401 सुबह 8:10 बजे कटरा से रवाना होती है और 11:08 बजे श्रीनगर पहुंचती है। वापसी में यह ट्रेन 26402 बन जाती है, जो श्रीनगर से दोपहर 2 बजे कटरा के लिए प्रस्थान करती है। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन (मंगलवार छोड़कर) चलती है। चेयर कार का किराया 715 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1,320 रुपये है। वहीं दूसरी ट्रेन नंबर 26403 दोपहर 2:55 बजे कटरा से रवाना होती है और शाम 5:53 बजे श्रीनगर पहुंचती है। वापसी में यह 26404 बनती है, जो सुबह 8 बजे श्रीनगर से चलकर रात 10:58 बजे कटरा पहुंचती है। यह सेवा बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती है। इसका किराया चेयर कार के लिए 660 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 1,270 रुपये है। रेलवे के अनुसार, इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को घाटी और बर्फ से ढके पहाड़ों का अद्भुत नज़ारा देखने को मिलता है, जो इस यात्रा को बेहद रोमांचक और यादगार बनाता है। यही कारण है कि इन ट्रेनों में सीटें बुक करने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। ट्रेन नंबर 20401 की प्रतीक्षा सूची 60 तक पहुंच गई है, जबकि ट्रेन नंबर 20403 में भी 50 से अधिक यात्री प्रतीक्षा में हैं।

अद्भुत पूर्ण प्रक्रिया पर जताई खुशी

❍ रेल मंत्रालय ने इस अभूतपूर्व प्रतिक्रिया पर खुशी जताई है और कहा है कि यह रेलवे के लिए नहीं बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक नई शुरुआत है। इससे राज्य में पर्यटन को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अब जबकि श्रीनगर पहली बार देश के रेल नक्शे पर सीधे जुड़ चुका है, वंदे भारत ट्रेनों की यह सेवा न केवल यात्रियों को सुविधा दे रही है, बल्कि जम्मू-कश्मीर में विकास का एक नया अध्याय भी लिख रही है।

ग्लोबल लीडर बनने की तैयारी में टाटा

> अगले 5 साल के लिए नई रणनीति तय

नई दिल्ली.

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा संस में कुछ बदलाव होने वाले हैं. कंपनी के बोर्ड में कुछ नए लोगों को शामिल किया जाएगा, कुछ पुराने सदस्यों के रिटायर होने की जानकारी है जिस वजह से अब कंपनी में नए लोग आएंगे. वहीं कंपनी नए आइडिया पर 30000 करोड़ का दांव लगा सकती है.

दरअसल, टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस अब एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है. कंपनी के बोर्ड में जल्द ही नए डायरेक्टर्स की नियुक्ति की तैयारी है और इसके साथ ही एक बड़ा निवेश प्लान और नई रणनीतिक प्राथमिकताएं भी तय की जा रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाटा संस करीब 30,000 करोड़ रुपये की पूंजी का इस्तेमाल अपने प्रमुख बिजनेस वर्टिकल्स को और अधिक मजबूत करने में करने वाली है. टाटा संस के लिए यह बदलाव केवल चेहरों का नहीं, बल्कि सोच और विज़न का भी है. नए डायरेक्टर्स की नियुक्ति कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति को ध्यान में रखते हुए की जा रही है. बोर्ड में नए पेशेवरों के जुड़ने से उम्मीद है कि कंपनी की डिजिटल, कंज़्यूमर और ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाएं और तेज़ी से आगे बढ़ेंगी.

इनोवेशन लीडर बनना चाहता है टाटा ग्रुप

❑ टाटा ग्रुप का लक्ष्य अगले 5 साल में ग्लोबल स्तर पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना. टाटा संस के इस रिफॉर्म से यह स्पष्ट है कि समूह अब पारंपरिक बिजनेस मॉडल से हटकर भविष्य की तकनीकों और सस्टेनेबिलिटी की ओर बढ़ रहा है. नए डायरेक्टर्स की नियुक्ति और भारी निवेश इसके संकेत हैं कि टाटा अब सिर्फ एक कॉर्पोरेट ग्रुप नहीं, बल्कि भारत के नए टेक और इनोवेशन युग का अगुवा बनना चाहता है.

फ़ूड डिलीवरी मार्केट में तहलका मचाएगा रैपिडो

नई दिल्ली.

देश की राइड-हेलिंग सर्विस रैपिडो अब फूड डिलीवरी बाजार में भी बड़ा धमाका करने जा रही है. रपिडो ने अपनी नई सर्विस 'ओवनली' के जरिए सीधे जोमाटो और स्विग्गी को चुनौती दे दी है. ओवनली के तहत कंपनी फूड डिलीवरी से जुड़े वो तमाम चार्ज खत्म कर रही है जो आज तक उपभोक्ताओं की जेब पर भारी पड़ते रहे हैं.

जैसे डिलीवरी फीस, पैकेजिंग चार्ज और कई बार छिपे हुए टैक्स. रपिडो के पास पहले से 40 लाख कैप्टन (राइडर) का नेटवर्क है. इन्हीं राइडर्स का उपयोग फूड डिलीवरी में भी किया जाएगा, जिससे लॉजिस्टिक्स की समस्या नहीं आएगी और डिलीवरी की रफ्तार भी तेज बनी रहेगी. रपिडो की इस घोषणा के बाद जोमाटो और स्विग्गी जैसी दिग्गज कंपनियों की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं. ग्राहक अब पारदर्शी कीमतों और सस्ते विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं. कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर रिएक्शन देते हुए कहा है कि "अब सस्ता खाना सिर्फ रेस्टोरेंट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि घर तक भी उसी रेट पर मिलेगा.

भारत का फूड डिलीवरी बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इसकी वैल्यू करीब 40 लाख करोड़ मानी जा रही है. ऐसे में रपिडो की यह एंट्री बाजार में कम कीमत और ज्यादा पारदर्शिता का नया ट्रेंड ला सकती है. रपिडो की नई ओवनली सेवा का सबसे बड़ा दावा यह है कि उपभोक्ता को खाना उसी कीमत पर मिलेगा, जिस पर वो किसी होटल या रेस्टोरेंट में बैठकर खाता है. न डिलीवरी चार्ज, न पैकेजिंग फीस मतलब जो रेट मेन्यू कार्ड पर है, वही आपके घर के दरवाजे तक.

आरबीआई के फैसले से विदेशी निवेशकों में हड़कंप

नई दिल्ली.

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के दिनों में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया था. जिसका असर भारतीय बॉन्ड पर देखने को मिला है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस फैसले के बाद भारतीय बॉन्ड से 2,700 करोड़ रुपए से अधिक का अमाउंट निकाल लिया है. इस कदम ने निवेशकों के रुख और बाजार में उनकी रणनीति को प्रभावित किया है. सीसीआईएल के आंकड़ों के मुताबिक, फुल्ली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत भारतीय बांडों में विदेशी निवेशकों का निवेश 11 जून तक 2.76 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि 6 जून को यह 2.78 लाख करोड़ रुपए था. विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी में सबसे बड़ी कमी 7.38% 2027 बांड में देखी गई. 11 जून को ये 11.47 प्रतिशत रह गई. जबकि 6 जून को ये 12.80 प्रतिशत थी. इसी तरह से, विदेशी निवेशकों ने 7.06% 2028 बांड में अपनी हिस्सेदारी 11 जून को घटाकर 15.20 प्रतिशत कर दी, जबकि 6 जून को यह 15.45 प्रतिशत थी.अभी के समय में भारत और अमेरिकी बांड के बीच का अंतर 187 आधार अंक है, जो सबसे कम में से एक है. आम तौर पर जब दो देशों द्वारा जारी किए गए बॉन्ड के रिवार्ड में अंतर कम हो जाता है तो विदेशी निवेशक अपने फंड वापस ले लेते हैं और इसे कम रिस्क वाले इन्वेस्टमेंट में लगा देते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि जब अंतर कम होता है, तो विदेशी निवेशक कम रिटर्न कमाते हैं क्योंकि ये करेंसी एक्सचेंज रेट और कॉमपिलियेंन्स से संबंधित दूसरे खर्चों के साथ एडजस्ट हो जाता है. इसके अलावा, आरबीआई ने फरवरी और अप्रैल 2025 में 25 बीपीएस की दो लगातार कटौती के बाद ग्रोथ को सपोर्ट देने के लिए अपनी जून की नीति में दर में 50 बीपीएस की कमी की. आरबीआई ने लगातार तीसरी बार ब्याज में कटौती की है. इस तरह के अचानक निकासी से भारतीय वित्तीय बाजारों पर दबाव बन सकता है. जब विदेशी निवेशक पैसे निकालते हैं, तो रुपया कमजोर हो सकता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है. इससे सरकार और कंपनियों को कर्ज लेने में कठिनाई हो सकती है क्योंकि निवेश की लागत बढ़ जाती है.

रेलवे टिकट बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव

1 जुलाई से आधार लिंक और ओटीपी अनिवार्य

नई दिल्ली.

भारतीय रेलवे देश की लाइफलाइन है, ट्रेन के जरिए रोजाना करोड़ों पैसेंजर अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं. पिछले काफी समय से रेलवे को रिजर्वेशन टिकट में धांधली की शिकायत मिल रही थी, जिसके चलते भारतीय रेलवे ने रिजर्वेशन टिकट बुक करने के नियम में बड़ा बदलाव किया है. अगर आपको रेलवे के इस नए नियम की जानकारी नहीं है तो फिर आप 1 जुलाई के बाद ऑनलाइन और विंडो से ट्रेन टिकट बुक नहीं करा सकेंगे. अगर आपको भी नए नियम के बारे में जानकारी नहीं है तो हम इसके बारे में आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं. इंडियन रेलवे को काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि कुछ लोगों ने फर्जी आईआरसीटीसी अकाउंट बनाए हैं और ये लोग इन अकाउंट के जरिए ब्लैक में टिकट बुक करते हैं. इसके साथ ही रेलवे को शिकायत मिली थी कि काउंटर पर दलाल सक्रिय रहते हैं जो ब्लैक में कंफर्म टिकट बुक कराते हैं.

इसी के चलते इंडियन रेलवे ने आईआरसीटीसी ऐप और काउंटर से रिजर्वेशन टिकट बुक कराने के नियम में बदलाव किया है. धांधली और फर्जीवाड़ा को रोकने के लिए इंडियन रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है. नए नियम के अनुसार अब आईआरसीटीसी अकाउंट को आधार कार्ड से लिंक करना होगा, जिसके बाद ही आप इस ऐप की मदद से टिकट बुक कर सकेंगे. आपको बता दें ये नियम 1 जुलाई 2025 से देशभर में लागू होगा. इसलिए आपको भी समय रहते अपने आईआरसीटीसी अकाउंट को आधार कार्ड से लिंक कर लेना चाहिए. आईआरसीटीसी ऐप के साथ ही इंडियन रेलवे ने काउंटर से तत्काल टिकट की बुकिंग के नियम में भी बदलाव किया है. दरअसल अब आप तत्काल टिकट के फॉर्म पर जो मोबाइल नंबर लिखेंगे, उस नंबर पर तत्काल टिकट बुक होने से पहले ओटीपी आएगा. जिसके बाद ही आपका तत्काल टिकट बुक होगा. रेलवे के अनुसार नियमों में इस बदलाव के बाद टिकट धांधली पर अंकुश लगेगा.

कितना पैसा पड़ा है बैंकों में

नई दिल्ली.

बैंकों में हजारों करोड़ रुपये लावारिस ही पड़े हैं, जिन पर दावा करने वाला कोई नहीं है. अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेगुलेटर्स और बैंकिंग विभागों को सही मालिकों को तलाशने का निर्देश दिया है. वित्त मंत्री ने कहा है कि अभी तक दावा न किए गए जमाओं को सही मालिकों को वापस करने और केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए कहा है. उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और सही दावेदारों तक पहुंच बनाने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए. वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वित्त मंत्री ने परिषद से सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया ताकि नागरिकों को वित्तीय क्षेत्र में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) से संबंधित प्रक्रियाओं के संबंध में सहज अनुभव मिल सके. इस दौरान भारतीय प्रतिभूति बाजार में भारतीय मूल के लोगों समेत अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए डिजिटल रूप से जोड़े जाने सहित केवाईसी प्रक्रिया के सामान्य मानदंडों, सरलीकरण और डिजिटलीकरण की जरूरत पर जोर दिया गया. सीतारमण ने नियामकों और विभागों से जिला स्तर पर विशेष शिविर लगाकर दावा न किए गए धन को उसके सही मालिकों को लौटाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है. यह अभियान आरबीआई, सेबी, एमसीए, पीएफआरडीए और आईआरडीए के साथ-साथ बैंकों, पेंशन एजेंसियों, बीमा कंपनियों के साथ तालमेल में चलाया जाना है. दावा न किए गए धन में बैंकों में जमा राशि के साथ ही दावा न किए गए शेयर एवं लाभांश और दावा न किए गए बीमा एवं पेंशन कोष भी शामिल हैं.

बियर-वाइन शेयरों में उछाल

मुंबई. भले ही महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी में इजाफा कर शराब पीने वालों को बड़ा झटका दिया है. जिसकी वजह शराब बनाने वाली कंपनियों के शेयर धड़ाम हो गए हैं. लेकिन बियर और वाइन बनाने वाली कंपनियों की मौज आ गई है. सरकार ने इन दोनों को इस टैक्स से बाहर रखते हुए कंपनियों और शौकीनों को बड़ी राहत दी है. इसका मतलब है कि बियर और वाइन की कीमतों में कोई भी इजाफा नहीं होगा. जिसकी वजह से बियर और वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयर रॉकेट हो गए हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर महाराष्ट्र सरकार की ओर से बियर और वाइन पर टैक्स को लेकर किस तरह की खबरें सामने आई हैं. महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने और बियर और वाइन को इस टैक्स से बाहर रखने के फैसले के बाद सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड, जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है. जीएम ब्रुअरीज में लगभग 20 फीसदी का इजाफा देखने को मिल रहा है. जबकि जबकि सुला वाइनयार्ड्स के शेयरों में लगभग 13 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है.

वैश्विक आर्थिक संकट का खतरा

कई देशों पर सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली.

रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन की लड़ाई और ट्रेड वॉर से जूझती दुनिया क्या मंदी की तरफ बढ़ रही है. विश्व बैंक ने हाल में जारी अपनी ग्रोथ रिपोर्ट में जो आंकड़े पेश किए हैं, वह ग्लोबल इकनॉमी की चिंताजनक स्थिति को बयां करते हैं. इन आंकड़ों को देखते हुए ये कयास भी लगाए जाने लगे हैं कि क्या वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की तरफ जा रही है. अगर ऐसा होता है तो किन देशों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा. विश्व बैंक ने चालू वित्तवर्ष और अगले वित्तवर्ष के लिए भारत सहित ग्लोबल इकनॉमी के विकास दर का अनुमान जारी है. विश्व बैंक का कहना है कि साल 2025 में ग्लोबल इकनॉमी की विकास दर 2.3% रहने का अनुमान है. इसी रिपोर्ट में भारत की विकास दर 2026-27 में 6.5% रहने का अनुमान लगाया गया है, जो जनवरी के अनुमान से 0.2% कम है. इसके अलावा 2025-26 के लिए भारत के विकास अनुमान को जनवरी के 6.7% से घटाकर 6.3% कर दिया है.

केंद्रीय बैंकों द्वारा महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं, जिससे उपभोक्ता खर्च और निवेश में कमी आई है. विश्व बैंक ने जनवरी 2025 में बताया कि यह विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए चुनौती है. विश्व बैंक ने कहा है कि ग्लोबल इकनॉमी भले ही दबाव में चल रही है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका ज्यादा असर नहीं दिखेगा. भारत की विकास दर मामूली रूप से ही नीचे आएगी और यह अब भी दुनिया की सबसे तेज ग्रोथ करने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी. विश्व बैंक के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था लचीली है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सबसे तेज ग्रोथ करने वाली इकनॉमी बनी रहेगी. भारत का मजबूत सेवा निर्यात और कम चालू खाते का घाटा इसे बाहरी झटकों से बचाने में मदद करता है.

8वें वेतन आयोग के लिए करना होगा और इंतजार?

नई दिल्ली. 8वां वेतन आयोग करीब 35 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 67 लाख से ज़्यादा पेंशन पाने वालों के लिए अटकलों का टॉपिक बन गया है. संभावित वेतन बढ़ोतरी और पेंशन को लेकर बढ़ती चर्चा के साथ अब लोगों के दिल में उम्मीदें बढ़ रही है. अभी तक सरकार की ओर से इसको लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है कि 8वां वेतन आयोग कब गठित किया जाएगा. लेकिन कई कर्मचारी यूनियनों ने इस देरी पर चिंता व्यक्त करना शुरू कर दिया है और सरकार से आग्रह किया है कि समय पर इसे सुनिश्चित करें और कर्मचारियों और पेंशन पाने वाले दोनों के लिए अनिश्चितता को कम करने के लिए आयोग का गठन समय से पहले ही कर दिया जाए. जनवरी 2016 में लागू हुआ 7वां वेतन आयोग लगभग दो साल पहले फरवरी 2014 में घोषित किया गया था.हालांकि, 2025 के मध्य तक 8 वें वेतन आयोग का गठन होना बाकी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पर तेजी से चर्चा चल रही है, लेकिन इसको रोलआउट 1 जनवरी, 2026 के बाद किया जा सकता है. इसमें अभी काफी समय लगेगा. भले ही आयोग की घोषणा इस साल के अंत तक हो जाए लेकिन लागू होने में समय लगेगा. लेकिन क्या आप जानते हैं इसपर कौन सा फिटमेंट फैक्टर लागू होगा.इसका सबसे बड़ा हिस्सा फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर करता है, फिटमेंट फैक्टर वो है जिसका इस्तेमाल किसी कर्मचारी के मूल वेतन के लिए किया जाता है.

गन्ना किसानों के लिए एआई से क्रांति

> गन्ने की पैदावार बढ़ेगी

नई दिल्ली.

देश में किसानों की कमाई का सबसे बड़ा जरिया मानी जाने वाली गन्ने की फसल का उत्पादन एक झटके में 30 फीसदी बढ़ सकता है. यह दावा है कृषि क्षेत्र के एक विशेषज्ञ का, जिनका कहना है कि गन्ने की खेती के लिए पानी की खपत भी आधी ही रह जाएगी. इसके लिए किसानों को नई तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल करना होगा.

कृषि विशेषज्ञ ने कहा कि एआई के इस्तेमाल से पानी की जरूरत 50 फीसदी तक कम हो जाएगी और प्रति एकड़ गन्ने का उत्पादन भी करीब 30 फीसदी बढ़ सकता है. महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी कारखाना संघ लिमिटेड के निदेशक जयप्रकाश दांडेगांवकर ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट ने गन्ने की खेती के लिए एआई के इस्तेमाल पर लंबे समय से काम किया है और गन्ने के उत्पादन में 30 फीसदी की वृद्धि और पानी के इस्तेमाल (इसकी खेती में) को 50 फीसदी तक कम करने का आश्वासन दिया है.

इससे चीनी मिलों को लंबे समय (110 दिन से अधिक) तक चलाने में मदद मिलेगी और घाटा भी कम होगा.

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की 40 (23 सहकारी और 17 निजी) चीनी मिल, जिन पर वीएसआई का कोई ऋण बकाया नहीं है, उन्हें इस परियोजना (गन्ने की खेती में एआई के उपयोग) में शामिल किया जाएगा. दांडेगांवकर ने बताया कि शुरुआत में एक किसान को 25,000 रुपये खर्च करने की जरूरत पड़ सकती है. यह प्रौद्योगिकी खेती के पूर्वानुमान, मृदा परीक्षण, सिंचाई के अलर्ट, कीटनाशकों के इस्तेमाल को सीमित करने और मिट्टी की गुणवत्ता की सुरक्षा पर काम करेगी. पिछले कुछ समय से महाराष्ट्र में गन्ने की पैदावार में कमी आई है.

गन्ना किसानों को टेक्नोलॉजी से मिलेगी राहत

❑ दांडेगांवकर ने कहा कि कम बारिश के कारण महाराष्ट्र में प्रति एकड़ उत्पादन घटकर 73 टन रह गया है. एआई के इस्तेमाल से हम निकट भविष्य में इसे कम से कम 150 टन प्रति एकड़ उत्पादन तक पहुंच सकते हैं. किसानों को इसके लिए (सिंचाई के लिए) अपने खेतों में 'ड्रिप' लगाने की जरूरत है. हम उम्मीद कर सकते हैं कि अगस्त के अंत तक या सितंबर के पहले सप्ताह तक इस तरह का पहला स्टेशन (स्वचालित एआई सुविधा) स्थापित एवं चालू हो जाएगा. बाद में इसे देशभर में लागू किया जाएगा.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

एक ही सुर में बोले राज और उद्धव ठाकरे

इस मुद्दे पर सरकार पर साधा निशाना

मुंबई.

दो भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत होने और नौ अन्य के घायल होने के हादसे के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि रेलवे के बुनियादी ढांचे को 'ध्वस्त' होने के लिए अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासियों का मुंबई में पलायन जिम्मेदार है.

ठाकरे ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लोकल ट्रेन में स्वचालित दरवाजे की सुविधा दिये जाने की मांग के औचित्य पर भी सवाल उठाया. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने मध्य रेलवे प्रशासन से उपनगरीय ट्रेन में भीड़भाड़ को देखते हुए स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करने की अपील की है. उन्होंने पूछा, "राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे कब एक होंगे, इस पर अटकलें लगाने के बजाय, समाचार चैनल रेल दुर्घटनाओं में हुई मौतों के बारे में सवाल क्यों नहीं पूछते?

क्या उस रेल मार्ग (दिवा और कोपर) पर मोड़ नया है? क्या लोकल ट्रेन में स्वचालित दरवाजे लगाना संभव है?" ठाकरे ने पुणे में संवाददाताओं से कहा, "बाहर से बड़ी संख्या में लोगों के (मुंबई) आने के चलते रेलवे का बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया है लेकिन हर कोई चुनाव प्रचार में व्यस्त है."प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि सुबह के व्यस्त समय में दिवा और कोपर रेलवे स्टेशन के बीच दो विपरीत दिशा की दो लोकल ट्रेन के पायदान पर खड़े यात्रियों के बैग आपस में टकराने के कारण चार लोगों की ट्रेन से नीचे गिरने से मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए.

शहरों में यातायात जाम आम बात: राज ठाकरे

ठाकरे ने कहा, "हर दिन लोकल ट्रेन से जुड़ी दुर्घटनाएं होती हैं. यह केवल रेलवे की बात नहीं है. हमारे सभी शहरों में अव्यवस्था है. सड़कें ठीक नहीं हैं और मुंबई और पुणे सहित कई शहरों में यातायात जाम आम बात है. अगर आग लग जाए तो दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंच पाती." उन्होंने अपने नेतृत्व वाली मनसे और अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के बीच संभावित मेल-मिलाप की चर्चा से जुड़े सवालों को टाल दिया.

रिटायर्ड पुलिस अधिकारी ने बेटी-दामाद पर बरसाई गोलियां

जलगांव.

चोपड़ा शहर के अंबेडकर नगर में हल्दी कार्यक्रम में प्रेम विवाह से नाराज एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी पिता ने अपनी बेटी और दामाद पर गोली चला दी. लड़की की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया. गोलीबारी करने वाले लड़की के पिता को भी वहां मौजूद नागरिकों ने सार्वजनिक रूप से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये. इस संबंध में दोनों के खिलाफ चोपड़ा सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

मृतका का नाम तृप्ति अविनाश वाघ, उम्र 25, निवासी मुंबई दहानुकर कॉलोनी, कोथरुड, पुणे है. उनके पति अविनाश ईश्वर वाघ (उम्र 26) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. मृतका तृप्ति वाघ की सास प्रियंका ईश्वर वाघ (उम्र 45, निवासी पुणे) की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है. जिले के चोपड़ा शहर के डॉ बाबासाहेब अंबेडकर नगर में हल्दी का कार्यक्रम था. इस कार्यक्रम के लिए शनिवार को पुणे से अविनाश वाघ और उनका परिवार आया था. इस बात की जानकारी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी किरण अर्जुन मांगले (उम्र 55) को मिली. वे चोपड़ा आये और शनिवार को मिले. 26 अप्रैल को रात करीब 10:15 बजे उनकी बेटी तृप्ति वाघ और दामाद अविनाश वाघ को लाइसेंसी बंदूक से अंधाधुंध गोलियां से भून दिया. बेटी तृप्ति वाघ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दामाद अविनाश पीठ और हाथ में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया. घटनास्थल पर मौजूद नागरिक नाराज हो गए और संदिग्ध आरोपी किरण मांगले की वहां पिटाई कर दी. जैसे ही चोपड़ा शहर पुलिस को घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे.

तृप्ति वाघ के शव को चोपड़ा उपजिला अस्पताल में रखा गया है, जबकि उनके दामाद अविनाश और घायल किरण मांगले को इलाज के लिए जलगांव के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्रियंका ईश्वर वाघ की शिकायत के आधार पर संदिग्ध आरोपी किरण अर्जुन मंगले (उम्र 55) और उसके बेटे निखिल किरण मंगले (उम्र 22) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच पुलिस कर रही है.

मुंबई अपहरण कांड: नागालैंड से 3 गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच बीते कुछ दिनों से एक व्यापारी के किडनैपिंग मामले की जांच कर रही थी, इस मामले में जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने नागालैंड से 3 लोगों को हिरासत में लिया. सूत्रों ने बताया की पुलिस को व्यापारी के घर वालों ने सूचित किया था कि उनके घर के एक सदस्य को किसी ने किडनैप कर लिया गया है और उसे छोड़ने के बदले घरवालों से किडनैपर डेढ़ करोड़ रुपये की मांग कर रहे हैं. इस पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की और फिर पता चला कि कॉलर नागालैंड में है, जिसके बाद एक टीम बनाकर नागालैंड भेजा गया, जहां पुलिस ने तीन किडनैपर को हिरासत में ले लिया और वहां मुंबई पुलिस के एक्शन को देखते हुए लॉ एंड आर्डर बिगड़ने के हालात दिखने लगे उससे पहले ही पुलिस तीनो को लेकर एयरपोर्ट पहुंच गई. सूत्रों ने आगे बताया की किडनैपर्स का दावा है की उन्होंने व्यापारी को इसलिए अगुवा किया क्योंकि उसने इनके साथ ठगी की, दावा आगे किया कि यह ठगी लगभग 20-25 लाख रुपये की थी. वहां उन किडनैपर्स की शिकायत के आधार पर लोकल पुलिस ने व्यापारी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.

बदमाशों का तांडव, गाड़ियां तोड़ी

राहगीरों पर हमला, दहशत का माहौल

ठाणे.

जिले के उल्हासनगर के आशेले पाडा इलाके में सोमवार शाम को 7 से 8 बदमाशों के एक गिरोह ने अचानक हमला कर पूरे इलाके में दहशत फैला दी. हथियारों से लैस इस गिरोह ने सड़क पर खड़ी 25 से 30 गाड़ियों को निशाना बनाकर जमकर तोड़फोड़ की. हमलावरों ने न सिर्फ वाहनों को क्षतिग्रस्त किया, बल्कि राह चलते महिलाओं, बच्चों और पुरुषों पर भी तलवारों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया.

इस हिंसक हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हमला पूरी तरह से अचानक था. जैसे ही गिरोह इलाके में दाखिल हुआ, उन्होंने बिना किसी कारण लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया.

जब स्थानीय लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपी अपने हथियार मौके पर छोड़कर फरार हो गए. इस हमले में कई गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक बड़ी टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेर लिया. पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी है. इलाके के कई सीसीटीवी कैमरे में आरोपियों के हमले की तस्वीरें कैद हुई है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हमले के पीछे मकसद क्या था. घटना के बाद से इलाके में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

डीसीपी सचिन गोरे ने मामले पर बात की, उन्होंने कहा कि आशाले गांव में हुए हमले के मामले में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस बाकी संदिग्धों को पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है.

पाकिस्तानी शख्स ने पत्नी की हत्या कर खुदकुशी की

मुंबई. खारघर इलाके में एक 45 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक ने कथित तौर पर पहले अपनी 34 वर्षीय पत्नी की हत्या की और फिर उसने आत्महत्या कर ली. सूत्रों ने बताया कि यह दिल दहला देने वाली घटना उनके संज्ञान में सोमवार के दिन सामने आई.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम नोतन दास उर्फ संजय सचदेव और उसकी पत्नी सपना नोतन दास है.

दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे और कुछ महीने पहले ही लंबे समय के वीज़ा पर अपने दो बच्चों जिनमें से एक कि उम्र 10 साल और दूसरे की उम्र 6 वर्ष है, के साथ भारत आए थे.एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि दंपत्ति आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और पाकिस्तान लौटने की तैयारी कर रहा था.पुलिस ने इस मामले में पड़ोसियों और सपना की बहन का बयान दर्ज किया. इसके मुताबिक, सोमवार सुबह जब बच्चों में से एक स्कूल से लौटा, तो फ्लैट अंदर से बंद मिला. शक होने पर पड़ोसियों ने सपना की बहन को बुलाया. इसके बाद इस बात की सूचना पुलिस को भी दी गई और फिर पुलिस की मदद से दरवाजा खोला गया, तो देखा गया कि फ्लैट में दोनों ही खून से लथपथ पड़े थे.

राज्य में महंगी हुई शराब

मुंबई.

राज्य के राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने शराब बिक्री पर कर बढ़ाने का फैसला लिया है. कुछ दिन पहले से राज्य सरकार ने अपने राजस्व में बढ़ोतरी के लिए शराब पर कर बढ़ाने की योजना पर काम शुरू कर दिया था. मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भारतीय निर्मित विदेशी शराब पर कर बढ़ाने का निर्णय लिया गया. इस फैसले से शराब प्रेमियों की जेब पर बोझ बढ़ेगा और अब जश्न भी महंगा पड़ेगा. इस निर्णय से राज्य सरकार को 14,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है.अब शराब पीने वालों को 180 मिली (एक क्वार्टर) शराब के लिए 80 रुपये से लेकर 360 रुपये तक चुकाने होंगे. इसमें देशी शराब की कीमत 80 रुपये होगी, जबकि विदेशी प्रीमियम ब्रांड की कीमत 360 रुपये होगी.राज्य सरकार ने आईएमएफएल पर डेढ़ प्रतिशत कर बढ़ा दिया है. इसके साथ ही विदेशी शराब पर भी कर बढ़ाया गया है, जिससे शराब प्रेमियों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा. उत्पादन शुल्क विभाग को मजबूत करने के लिए इसमें 1223 नए पद भरे जाएंगे. साथ ही, सीलबंद विदेशी शराब की बिक्री होटल और रेस्टोरेंट के जरिए लीज पर करने की अनुमति दी गई है, जिस पर 10 से 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा. इसके अलावा मुंबई शहर और उपनगर में उत्पादन शुल्क विभाग के नए क्षेत्रीय कार्यालय शुरू किए जाएंगे. साथ ही मुंबई उपनगर, ठाणे, पुणे, नाशिक, नागपुर और अहिल्यानगर इन छह जिलों में नए अधीक्षक कार्यालय खोले जाएंगे. विभाग उत्पादन और बिक्री पर निगरानी रखने के लिए एआई आधारित कंट्रोल रूम भी शुरू करेगा.

4.71 करोड़ की साइबर ठगी, दो गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई साइबर पुलिस ने आईपीओ और इंडेक्स ट्रेडिंग में निवेश कराने के नाम पर 4.71 करोड़ की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी कई साइबर अपराधों में शामिल पाए गए हैं. शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 30 नवंबर 2024 से 5 मार्च 2025 के बीच, उसे साइबर ठगों में संपर्क किया और फिर उसे फर्जी निवेश योजनाओं में भारी रिटर्न का लालच देकर झांसे में लिया गया. आरोपियों ने आईपीओ और इंडेक्स ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का वादा कर पीड़ित से कुल 4,71,65,000 अलग अलग बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए.

सस्ते फ्लैट का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

मुंबई. दुनिया के महंगे शहरों में से एक मुंबई में सस्ते फ्लैट दिलाने के नाम पर तीन लोगों से 1.22 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक महिला ठग को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान बेला डिसूजा के रूप में हुई है, जो खुद को म्हाडा (महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्र विकास प्राधिकरण) की वरिष्ठ अधिकारी बताकर लोगों को ठग रही थी. आरोपी बेला मुंबई के जोगेश्वरी, गोरेगांव, माहिम और बांद्रा जैसे इलाकों में कम दाम पर फ्लैट दिलाने का झांसा देती थी.

दिंडोशी पुलिस के अनुसार, बेला के साथ तीन अन्य आरोपी केदार सातम, जितेंद्र राठौड़ और गिरीश राव भी इस ठगी में शामिल थे. तीनों फरार हैं और पुलिस ने उन्हें फरार आरोपी घोषित किया है. गिरोह ने म्हाडा और सरा योजनाओं का हवाला देकर कई लोगों को ठगा.

एमवीए सरकार ने बढ़ाया, महायुति ने घटाया

> बीएमसी में इतने वार्ड के लिए होंगे चुनाव

मुंबई.

राज्य में स्थानीय नगर निकाय के चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं और प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसी पृष्ठभूमि में राज्य सरकार ने महापालिकाओं, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए वार्ड (प्रभाग) रचना के आदेश जारी किए हैं. इन आदेशों में 'अ', 'ब' और 'क' श्रेणी की महापालिकाओं की वार्ड रचना शामिल है. इसमें पुणे, नागपुर, ठाणे, नासिक, पिंपरी-चिंचवड़, नवी मुंबई, वसई-विरार, छत्रपती संभाजीनगर और कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिकाओं का समावेश है.

दरअसल, महाराष्ट्र में पिछले 3-4 वर्षों से स्थानीय नगर निकाय के चुनाव लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है. इसके तहत राज्य सरकार ने वार्ड रचना के आदेश जारी किए हैं. जहां-जहां महापालिका चुनाव होने हैं वहां वार्ड रचना की प्रक्रिया शुरू हो गई है. प्रशासन को यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वार्ड किस प्रकार से बनाए जाएं और जनसंख्या के क्या मानक हों. मुंबई में पुराने प्रभागों के अनुसार ही चुनाव होंगे. मुंबई महानगरपालिका में अब 227 एकसदस्यीय प्रभाग होंगे. जबकि पुणे, नागपुर, ठाणे, नासिक, नवी मुंबई, पिंपरी-चिंचवड़, छत्रपती संभाजीनगर आदि सभी अन्य महापालिकाओं में चार सदस्यीय प्रभाग होंगे. पहले मुंबई में 227 प्रभाग थे. महाविकास आघाड़ी सरकार के दौरान इन्हें बढ़ाकर 236 किया गया था. महायुति सरकार के सत्ता में आने के बाद इसे फिर से 227 किया गया. इस पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, लेकिन वह खारिज हो गई. इसलिए अब मुंबई में 227 प्रभाग ही रहेंगे.

वेश्यालय से 8 आरोपी गिरफ्तार

10 महिलाओं को कराया रेस्क्यू

मुंबई. मुंबई पुलिस ने शहर में चल रहे देह व्यापार के नेटवर्क पर बड़ी करवाई की है. मलबार हिल पुलिस ने मंगलवार को ग्रांट रोड (पूर्व) इलाके में साईधाम मंदिर से महज 100 मीटर की दूरी पर चल रहे एक वेश्यालय पर छापा मारकर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इस दौरान वहां से 10 पीड़ित महिलाओं को भी रेस्क्यू किया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनी गणेश शर्मा, रिंजी निमा शेरपा, कृष्णा बिलट भुइयां, विक्रम रजनी भुइयां, अरुण दामोदर यादव, महेशा एच. शिवन्ना, पप्पू कुमार सरजु यादव और अमित कुमार कन्हैया यादव के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी मिलकर इस वेश्यालय का संचालन कर रहे थे और अपने लाभ के लिए महिलाओं से जबरन वेश्यावृत्ति करवा रहे थे.

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर शहर, यांचे कार्यालय.
(आकाशवाणी चौक, सिव्हील लाईन, नागपूर पिन कोड- ४४०००१)
तालुका- नागपूर शहर, जिल्हा नागपूर.
Email ID: tahsildarngpcity@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१२-२५६१९७५
प्र.क्र.२६/प्रस्तु-३/तह.नाग (शहर)/कावि २७९/२०२५
दिनांक ०६/०६/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५ नुसार, २) मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, ३) मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि-१०४/२०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, ४) अर्जदार **श्री नदीम आवेस खान हिसामुद्दिन खान,** वय ४९ वर्षे, राह. प्लॉट नं. ०४, योगेन्द्र नगर बोरगांव रोड, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक ३०/०५/२०२५.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **नदीम आवेस खान हिसामुद्दिन खान,** वय ४९ वर्षे, राह. प्लॉट नं. ०४, योगेन्द्र नगर बोरगांव रोड, नागपूर यांनी स्वतःच्या जन्म तारखेची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांचा स्वतःचा जन्म दिनांक ०५/०७/१९७६ रोजी घरी महाल, नागपूर येथे झाला. असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे जन्म प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा जन्म बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी नागपूर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्म बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरून प्रस्तावित जन्म नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का | तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, नागपूर शहर

Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 8904 Date 02.06.25
IN THE COURT OF 25th Jt. CIVIL JUDGE SR. DN., NAGPUR. (M.S.) Room No. 417
Succession Case No. 108/2025
Fixed For 18/06/2025

Applicants : 1) Rekha Albert Simon & Others. -Versus-
Non Applicants: Nil
Name of Deceased : 1) Late Albert Peter Simon, Died On 02/06/2024, 2) Late Poonam Albert Simon, Died On 24/02/2012, Both R/o Harijan Colony, Nazul Layout, Jaripatka, Nagpur.

Whereas **1) Late Albert Peter Simon, Died On 02/06/2024, 2) Late Poonam Albert Simon, Died On 24/02/2012,** Both R/o Harijan Colony, Nazul Layout, Jaripatka, Nagpur. Died at **Nagpur** and Whereas **Rekha Albert Simon & Others** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **In respect of the Amount Rs. 8,53,704/-** in the name of the deceased & left by the deceased.

This is to give Public Notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Rekha Albert Simon & Others** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **25th Jt. Civil Judge Sr. Dn., Nagpur** on **18th day of June, 2025** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate on succession of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, this day of **02nd day of June, 2025.**

Seal | By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Court of Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

आज का राशिफल

मेष- अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज अपने साथ समय बिताने से आपको मानसिक शांति मिलेगी।

वृषभ - आज आपको निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों से राहत मिलेगी। निवेश के अच्छे अवसरों की प्राप्ति होगी। माता-पिता का सपोर्ट मिलेगा।

मिथुन - आज आपको वाहन चलाते समय सतर्क रहना चाहिए। आर्थिक रूप से किसी भी तरह की लापरवाही से बचें, वरना मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

कर्क - आज अपनी सेहत अच्छी रखने के लिए दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से करें। निवेश लाभ और समृद्धि लाएगा। परिवार के सदस्यों की जरूरतों को प्राथमिकता दें।

सिंह - आज आपकी सेहत अच्छी रहने वाली है लेकिन खर्चों की अधिकता मन को परेशान कर सकती है। किसी भी तरह की फिजूलखर्ची से बचें।

कन्या - आज आपका अति उत्साह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन रोमांटिक रहेगा।

तुला - आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अपनों का साथ होगा। कार्यस्थल पर पॉलिटिक्स का शिकार हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

वृश्चिक - आज आपको दोस्तों का साथ मिलेगा। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की शिक्षा पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

धनु - आज का दिन आपके लिए लाभकारी रहने वाला है, आर्थिक रूप से और शारीरिक रूप से। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है।

मकर - आज परेशानियों के सामने आने पर घबराएं नहीं बल्कि मुस्कुराएं। क्योंकि आप इनसे पार पा लेंगे। आज अपने खर्चों में फिजूलखर्ची नहीं करने की कोशिश करें।

कुंभ राशि- आज अपनी सेहत पर नजर रखें। आपके खर्चों में अप्रत्याशित वृद्धि आपके मानसिक शांति को परेशान कर सकती है। यात्रा के अवसर सामने आएंगे।

मीन - आज आपको कोई सपना पूरा हो सकता है। लेकिन अपने उत्साह व जुनून को कंट्रोल में रखें। लंबी अवधि के लाभ निवेश पर फोकस करें।

जाहीर सुचना

आम जनता को सुचित किया जाता है कि अमितसिह हरदयालसिंह जनवार रा. पाटणसावंगी तहसील-सावनेर जि. नागपूर ने शेषराव पांडुरंगजी बोरकर रा. फ्लैट नं. 159/A सावित्री विहार वर्धा रोड विवेकानंद नगर नागपुर से खेती, खरीदने का करारनामा किया गया है प्रापर्टी का वर्णन : मोजा - टोंगलापूर तहसील-कारंजा जि. वर्धा खेत सर्वे नं. 68/4, आराजी-2.02 हे. आर; आकारणी 2.50 भोगवर्ग- 1 हिस्सापूर्णः चर्तुः सिमाः पूर्वेस-खेत सर्वे नं. 67. पश्चिमेस खेत सर्वे नं. 68/3 ची शेती उत्तरेस-पांधन रोड दक्षिणे- खेत सर्वे नं. 71 चे शेत उपरोक्त मालमत्ता पर किसी का कब्जा, कर्ज, बोझा, वारसानी हक्क तथा किसी भी प्रकार का कोई भी हक्क सबंध या किसी से किसी भी प्रकार का करार, किया हुवा हो या तो किसी भी व्यक्ती को आममुख्यार नियुक्त किया गया हो तो यह नोटीस प्रकाशित किये हुये तारीख से पंधरा (15) दिन के अंदर लिखित कागजाद के साथ निम्न पत्ते पर मिले, नियाद समाप्त होने के बाद किसी का किसी भी प्रकार का हक्क संबंध नहीं चलेगा तथा मुझ पर बंधनकारक नही रहेगा।

अमितसिह हरदयालसिंह जनवार
रा. पाटणसावंगी तहसील- सावनेर जि. नागपूर
मो. 9665777836

जाहीर सूचना

आम जनता को सुचित किया जाता है कि अमितसिह हरदयालसिंह जनवार रा. पाटणसावंगी तहसील सावनेर जि. नागपूर ने १) सौ गिता अमर फाडे रा. स्मृतीनगर बोखारा कोराडी रोड नागपूर २) सौ. सरीता रामेश्वर क्षिरसागर रा, पाटणसावंगी तहसील-सावनेर जि. नागपुर से खेती खरीदने का करारनामा किया गया है प्रापर्टी का वर्णन मौजा - टोंगलापूर तहसील - कारंजा जि. वर्धा खेत सर्वे नं. 68/2; आराजी-2.02 हे. आर आकारणी -2.50. भोग वर्ग-1 हिस्सा पूर्ण चर्तुः सिमा : पूर्वस - शेत सर्व नं 68/3. पश्चिम स -शेत 68/1 उत्तरेस - पांधन रोड, दक्षिणे में- शेत सर्वे नं. 69 व 71 चे शेत उपरोक्त मालमत्ता पर किसी का बोझा, वारसानी हक्क तथा किसी भी प्रकार का कोई भी हक्क संबंध या किसी से किसी भी प्रकार का करार, किया हुआ हो या तो किसी भी व्यक्ती को आममुख्त्यार नियुक्त किया गया हो तो वह नोटीस प्रकाशित किये हुए तारीख से पंधरा (15) दिन के अंदर लिखित कागजाद के साथ निम्न पत्ते पर मिले, मियाद समाप्त होने के बाद किसी का किसी भी प्रकार का हक्क संबंध नहीं चलेगा तथा मुझ पर बंधनकारक नहीं होगा.

अमितसिह हरदयालसिंह जनवार
रा. पाटणसावंगी तहसील- सावनेर जि. नागपूर
मो. 9665777836

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

NP DR. NANDI PATH LAB — Committed to your Wellness — OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE — DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho) Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE — Mobile No.: 8767516249 | 7420869774 — Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर — अलग-अलग प्रकार के फेशियल ब्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं। — अल्का वि. लाडे — 9373108897 / 9373531205 — प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स — कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी — हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है। — ठोक व चिल्लर विक्रेता — JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है — M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY — Learn Music with Proper Exam Facility — Classes Conducted for: Vocal Classical Singing, Light Music (with Karaoke), Zumba, Yoga, Crochet, Macrame, Drawing, Paper Crafts — <: Contact :> Mob - 9975757706, 9561674780 — Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स — • 19 मे शिमला मनाली • 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम • 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन • 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र • 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान — संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे — 7498753939, 93095 96390, 8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN RKS PUBLIC SCHOOL — NURSERY to Std. IX — OUR FACILITY: Computer Lab • Cricket, Karate Class • Swimming Pool, Skating Class • Basket Ball — M. 8087955831 8956785080 — Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM — GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX — VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietior — AU Avani Udyog (MSEDCL Approved Vendor) — Office Address: Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001 — E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com — Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631 — Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग — E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY — Talkative, Funny & Tricky — Morning / Evening BATCHES — अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से — हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है। — STUDENTS, TEACHERS, HOUSEWIVES, JOB SEEKERS — NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM — 9960462058,7498325477 — नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी — डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS — हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है — अफसर खान — M. 9371381114, 7038696893 — सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर — विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड — उमेश्वर शामकुंवर — M.9326760744 — तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस — एस. सुधीर मो. 9372855880 — डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड, शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प, बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब, रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग — प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस — आनंद ठेकेदार : 7219847962 — बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर — हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे। — "सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

अंधेरे से मत डरो, सितारे अँधेरे में ही चमकते हैं

संपादकीय

नियति से भेंट

इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन का यह सफर देश के लिए अंतरिक्ष के नए दरवाजे खोलेगा, जिसकी छाप आने वाले अभियानों पर दिखेगी।सोवियत सोयुज स्पेसक्राफ्ट में बैठकर राकेश शर्मा साल 1984 में जब स्पेस में पहुंचे थे, तब से 41 बरस हो चुके हैं। शुभांशु दूसरे भारतीय होंगे, जो अंतरिक्ष में जा रहे हैं। चार दशक के इस लंबे अंतराल में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अद्भुत कामयाबियां हासिल की हैं। अमेरिका, रूस, चीन समेत वह दुनिया की बड़ी स्पेस पावर में शुमार हो चुका है। मिशन चंद्रयान और मिशन आदित्य ने उसे अलग लीग में ला खड़ा किया है, फिर भी एक कमी थी, जो अब शुभांशु की यात्रा से पूरी हो रही है।राकेश शर्मा से लेकर शुभांशु तक, भारत के लिए स्पेस में बहुत कुछ बदला है। तब वह शुरुआत थी, इंफ्रा और तकनीक की कमी थी। इसी वजह से दूसरे भारतीय को स्पेस तक जाने के लिए 2025 तक का इंतजार करना पड़ा। लेकिन, इन बीते बरसों में तकनीक, हुनर और संसाधन - सभी मोर्चों पर काम किया गया है।आईएसआरवो की पहचान ऐसी स्पेस एजेंसी के रूप में बन चुकी है, जो कम खर्च में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। ऐसे में आईएसएस पर रहकर शुभांशु जो कुछ भी सीखेंगे, उसका फायदा आगे मिलेगा। भारत अपने ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन 'गगनयान' पर काम कर रहा है। सब कुछ सही रहा तो 2027 में देश अपने दम पर अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजेगा। इसके बाद का अगला बड़ा लक्ष्य है 2035 तक अपना पहला स्पेस स्टेशन खोलना और 2040 तक चांद पर इंसान को भेजना। इन दोनों और भविष्य के सभी अभियानों के लिए सुधांशु का अनुभव बहुमूल्य साबित होगा। एक्सिओम मिशन -4 के मायने इसलिए भी बहुत हैं, क्योंकि इसने स्पेस और साइंस को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। अब सरकार पर है कि वह इसका फायदा किस तरह उठाती है। अभी पूरे देश में केवल 26 साइंस म्यूजियम हैं, जो किसी नजरिये से काफी नहीं कहे जा सकते। सरकारी मदद से विज्ञान केंद्र खोले जा रहे हैं, लेकिन उनकी रफ्तार भी धीमी है। मौजूदा स्पेस जर्नी इन चीजों को गति देने का अवसर है। शुभांशु इस समय सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीयों में से एक हैं। पूरा देश जुड़ाव महसूस कर रहा है उनसे। उनकी सफलता पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगी।

लघुकथा

सिद्धार्थ संचोरी

बोलता मटका

एक बार एक कुम्हार एक मटका बना रहा था। तो मटके और कुम्हार के बीच रोज नोंक-झोंक होती रहती थी। मटका जब भी कुछ बोलता कुम्हार उसे पीटना शूरू करता। एक दिन जब मटका बड़ा हो गया तो उसे कुम्हार अपनी दुकान पर ले गया। अब जब भी ग्राहक उस मटके की और देखते तो कुम्हार उसे दूसरे मटके दिखा देता। इस बात से मटका बहोत नाराज रहता था। कभी कभार नोंक-झोंक ज्यादा हो जाती तो मटके की और मरम्मत की जाती या ये कहो के ठोक पीट के सुधारने की कोशिश की जाती। धीरे-धीरे मटके की कीमत बढ़ती गई पर मटका अभी भी बाजार की रौनक के काबिल नहीं ये कुम्हार का कहना था। अब बात यूं हुई कि एक दिन मटके में ये अहम आने लगा के उसकी कीमत दूसरे मटको से बहोत ज्यादा है। अब तो उस मटके की कीमत दूसरे दुकानदार के मटके से भी ज्यादा हो गई। अब मटके की जब भी खातिरदारी होती मटका चुपचाप सह लेता। एक दिन दुकानदार ये सब देख उस मटके को किसी ग्राहक को दे दिया और वो भी बाजार की सबसे ऊँची कीमत पे। मटका भी अपने अहम मे था फट से ग्राहक का हो गया और दुकानदार को याद करता, उसकी चोट को याद करके वो उस दुकानदार के पास जा नहीं पाया। पर अपनी जो कीमत उसे मिली और उस मटके को रखने के लिये जो ग्राहक मिला वो भी उसका बहोत ख्याल रखता था। कुछ भी हो उसे उस कुम्हार से कही ज्यादा अच्छा परिवार मिल गया। जिसके आगे आलीशान गाड़ी खड़ी रहती है और वो घर नहीं जैसे महल हो। ये सब देखकर मटका सोचता है जो भी हो आखिर मुझे मेरी कीमत मेरे गुणों से मिल ही गई। यही पिता और पुत्र का सम्बन्ध होता है। पिता अपने पुत्र की वो कीमत जानता है जो उस पुत्र को पता नहीं होती और पुत्र कभी ये समझ नहीं पाता कि उसके हर सुख के पीछे उस पिता की निस्वार्थ मेहनत है।

आलेख

महावीर सरन

सोलह कलाओं के अवतार श्री कृष्ण

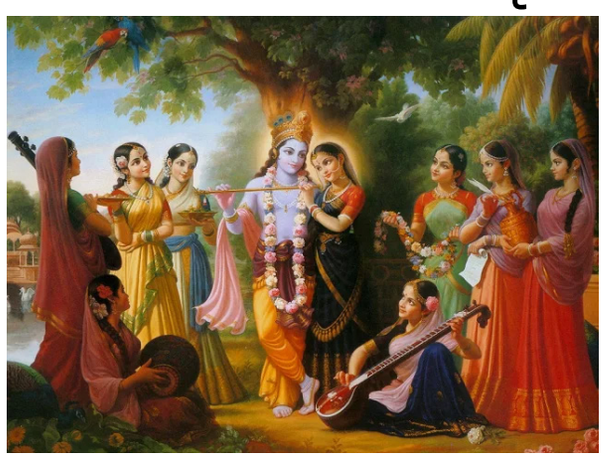

यद्यपि प्रत्येक पुराण में अनेक देवी देवताओं का वर्णन हुआ है तथा प्रत्येक पुराण में अनेक विषयों का समाहार है तथापि शिव पुराण, भविष्य पुराण, मार्कण्डेय पुराण, लिंग पुराण, वराह पुराण, स्कन्द पुराण, कूर्म पुराण, वामन पुराण, ब्रह्मांड पुराण एवं मत्स्य पुराण आदि में 'शिव' को; विष्णु पुराण, नारदीय पुराण, गरुड़ पुराण एवं भागवत पुराण आदि में 'विष्णु' को; ब्रह्म पुराण एवं पद्म पुराण में 'ब्रह्मा' को तथा ब्रह्म वैवर्त पुराण में 'सूर्य' को अन्य देवताओं का स्रष्टा माना गया है। पुराणों के गहन अध्ययन से स्पष्ट होता है कि पहले शिव की उपासना का विशेष महत्व था किन्तु तद्नंतर विष्णु की भक्ति एवं उपासना का विकास एवं महत्व उत्तरोत्तर बढ़ता गया। वासुदेव, नारायण, राम एवं कृष्ण आदि विष्णु के ही अवतार स्वीकार किए गए। 14 वीं शताब्दी तक आते आते राम एवं कृष्ण ही इष्ट देवों में सर्वाधिक मान्य एवं प्रतिष्ठित हो गए। अलग अलग काल खंडों में विष्णु, नारायण, वासुदेव, दामोदर, केशव, गोविंद, हरि, सात्वत एवं कृष्ण एक ही शक्ति के वाचक भिन्न नामों के रूप में मान्य हुए। महाभारत के शान्ति पर्व में वर्णित है. 'मैं रुद्र नारायण स्वरूप ही हूँ। अखिल विश्व का आत्मा मैं हूँ और मेरा आत्मा रुद्र है। मैं पहले रुद्र की पूजा करता हूँ। आप अर्थात् शरीर को ही नारा कहते हैं। सब प्राणियों का शरीर मेरा 'अयन' अर्थात् निवास स्थान है, इसलिए मुझे 'नारायण' कहते हैं। सारा विश्व मुझमें स्थित है, इसी से मुझे 'वासुदेव' कहते हैं। सारे विश्व को मैं व्याप लेता हूँ, इस कारण मुझे 'विष्णु' कहते हैं। पृथ्वी, स्वर्ग एवं अंतरिक्ष सबकी चेतना का अन्तर्भाग मैं ही हूँ, इस कारण मुझे 'दामोदर' कहते हैं। मेरे बाल सूर्य, चन्द्र एवं अग्नि की किरणें हैं, इस कारण मुझे 'केशव' कहते हैं। गो अर्थात् पृथ्वी को मैं ऊपर ले गया इसी से मुझे 'गोविन्द' कहते हैं। यज्ञ का हविर्भाग मैं हरण करता हूँ, इस कारण मुझे ' हरी' कहते हैं। सत्वगुणी होने के कारण मुझे 'सात्वत' कहते हैं। लोहे का काला फाल होकर मैं जमीन जोतता हूँ और मेरा रंग काला है, इस कारण मुझे 'कृष्ण' कहते हैं। भगवान कृष्ण के अनेक अनेक रूप हैं। उनको सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। श्री कृष्ण के अतन्त प्रकार के रूप हैं। जो रूप सर्वातीत, अव्यक्त, निरंजन, नित्य आनन्दमय है उसका वर्णन करना संभव ही नहीं है क्योंकि अनंत सौन्दर्य के चैतन्यमय आधार को भाषा में व्यक्त नहीं किया जा सकता.

रुके न जो, झुके न जो, हम वो इंकलाब हैं

ग़ाज़ा पट्टी की मदद में पूरी दुनिया....

डॉ.सलीम ख़ान, मुंबई

ग़ाज़ा पट्टी एक खुली जेल की तरह है, मगर इसमें रहने वाले लोग आज़ाद हैं। वे न सिर्फ अपनी आज़ादी के लिए लड़ रहे हैं, बल्कि दुनिया भर के आज़ादी पसंद लोगों के लिए हिम्मत और उम्मीद का स्रोत बन गए हैं। आज इंसानियत के लिए आज़ादी की रोशनी उन्हीं के संघर्ष से जल रही है। इस जेल को तोड़ने की कोशिश अंदर और बाहर दोनों ओर से हो रही है। 600 दिन पहले शुरू हुआ अल-अक्सा आंदोलन अंदर से उठी कोशिश थी, और फ्रीडम फ्लोटिला गठबंधन के तहत चलने वाला जहाज़ "माडलीन" एक बाहरी प्रयास है। इस्राईल की अत्याचारी सरकार ने माडलीन जहाज़ को जब्त कर इस आज़ादी के काफिले की मंशा को दबाने की कोशिश की। इसमें सवार शांति के कार्यकर्ताओं को पकड़ना दरअसल आज़ादी की लहर को रोकने की नाकाम कोशिश है। लेकिन ये उम्मीद भी जल्द ही टूटेगी।

जब इस्राईल ने समुद्र में माडलीन पर हमला कर उसे कब्जे में लिया, तो दुनिया भर से हज़ारों लोग ग़ाज़ा के समर्थन में मिस्र की राजधानी काहिरा की ओर बढ़ने लगे। मिस्र के पड़ोसी देश जैसे तुनिशिया, अल्जीरिया, मौरिटानिया, मोरक्को और लीबिया से हज़ारों लोग रफ़ह बॉर्डर की ओर पहुंचने लगे। ये देखकर ट्रंप चौंक जाएंगे कि जो लोग ग़ाज़ा के लोगों को दूसरी जगह भेजने का सपना देख रहे थे, वही आज दुनिया भर से लोग ग़ाज़ा की आज़ादी के आंदोलन में शामिल होने के लिए उमड़ रहे हैं। 9 जून को मिस्र की ओर पैदल रवाना होने वाले इस काफिले के बारे में 'फिलिस्तीन एक्शन तुनिशिया' ने कहा कि उनकी तैयारी पूरी है। तुनिशिया से 7000 से ज्यादा लोगों ने शामिल होने की इच्छा जताई, जिनमें से 2500 लोग सफर पर निकल चुके हैं। काहिरा से रफ़ह तक इस मार्च में 10,000 से ज्यादा लोगों की भागीदारी की उम्मीद है। इतने बड़े पैमाने पर शांति और इंसानियत के समर्थन में कोई आंदोलन बरसों बाद देखने को मिला है। इस काफिले का उद्देश्य ग़ाज़ा में घिरे हुए लोगों के साथ एकजुटता दिखाना और उन्हें इंसानी सहायता पहुंचाना है। तुनिशिया की 'फिलिस्तीन एक्शन' नाम की साझा संस्था इसका आयोजन कर रही है। तुनिशिया के शहरों से रवाना होकर ये काफिला लीबिया और मिस्र होते हुए ग़ाज़ा पहुंचेगा। 9 जून को रवाना होकर 13 जून तक ये काफिला काहिरा पहुंच कर अरीश और रफ़ह की ओर बढ़ेगा। रास्ते की योजना सुरक्षा और सहूलियतों को ध्यान में रखकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग से बनाई गई है। इस कारवां के आयोजकों का कहना है कि अब चुप रहना मुमकिन नहीं था। एक मुसलमान, एक तुनिशियाई, एक अरबी और एक इंसान के तौर पर ये हमारा नैतिक फर्ज़ है क्योंकि चुप रहना भी एक अपराध है। जब पूरी की पूरी आबादी को भूखा मारा जा रहा हो, बमबारी हो रही हो और दम घोंटा जा रहा हो, तो दुनिया कैसे खामोश रह सकती है? ये मार्च इंसाफ, एकता और इंसानी गरिमा की पुकार है।

इसमें 52 से ज्यादा देशों के लोग शामिल हो रहे हैं, जो ये साबित करता है कि फिलिस्तीन का मसला अब राजनीति से ऊपर उठकर पूरी इंसानियत को एकजुट कर रहा है। चूंकि पहले भी इस्राईल शांतिपूर्ण आंदोलनों को निशाना बनाता रहा है, इस काफिले के लोग हर खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं। वे बेखौफ कहते हैं कि "हमारा खून ग़ाज़ा के लोगों से ज्यादा कीमती नहीं है।" यह एक गैर-हथियारबंद, आम लोगों का काफिला है। अगर इस्राईल इस शांति मार्च को भी रोकेगा, तो उसके अपराध फिर से दुनिया के सामने बेनकाब हो जाएंगे। ग़ाज़ा के बहादुर लोग ही इस संघर्ष के असली नायक हैं। दुनिया भर से लोग उन्हें बता रहे हैं कि वे अकेले नहीं हैं। हज़ारों लोगों का समर्थन उनके हौसले और उम्मीदों को और मजबूत करेगा। भारत में इस मार्च की आयोजक सना सैयद कहती हैं कि यह इंसानियत की ओर एक अहम क़दम है। 7 अक्टूबर के बाद लोगों में ग़लतफहमियाँ थीं, मगर अब साफ हो गया है कि इस्राईल मासूम नागरिकों की हत्या कर रहा है। एक मां के रूप में वे फिलिस्तीनी बच्चों का दर्द महसूस करती हैं। सना कहती हैं कि बहुत से लोग इस यात्रा में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन भारत सरकार द्वारा फिलिस्तीन के समर्थन में हुए प्रदर्शनों पर कार्रवाई और इस्राईल के समर्थन ने कई लोगों में डर पैदा किया है। इसके बावजूद भारत से कई लोग इस मिशन में शामिल होने के लिए आगे आए हैं और उम्मीद है कि आज 12 जून तक वे काहिरा पहुंच जाएंगे। अगर भारत सरकार इस मिशन में रुकावट डालेगी, तो ये उसकी बदनामी का कारण बनेगा। इस बात की भी संभावना है कि इस मार्च से ग़ाज़ा के लिए एक स्थायी मानवीय सहायता का रास्ता खुले। डॉक्टर, छात्र, वकील और आम लोग मिलकर ग़ाज़ा के दरवाजे तक यह संदेश लेकर पहुंच रहे हैं कि इंसानियत अभी जिंदा है। "माडलीन" का पकड़ा जाना इस उत्साह को नहीं रोक सका। यह शांति मिशन एक क्रांतिकारी गीत की याद दिलाता है: रुके न जो, झुके न जो, मिटे न जो, दबे न जो हम वो इंकलाब हैं, ज़ुल्म का जवाब हैं हर गरीब, हर शहीद का – हम ही तो ख्वाब हैं, 8 दिन का सफर तय कर ग़ाज़ा के लिए निकली "माडलीन" को इस्राईल ने अगवा कर लिया, लेकिन यह कश्ती न पहली थी, न आखिरी। पहले भी ऐसा होता रहा है, और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। ग़ाज़ा के लाखों लोगों की मदद के लिए माडलीन का मकसद वहां ज़िंदगी की ज़रूरी चीज़ें पहुंचाना था। इस पर 12 लोग सवार थे, जिनमें स्वीडन की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग और आयरलैंड के अभिनेता लियाम कनिंघम शामिल थे। माडलीन 'फ्रीडम फ्लोटिला' यानी आज़ादी के बेड़े का हिस्सा है। इस पर यूरोपीय संसद की सदस्य रीमा हसन और अल-जज़ीरा के पत्रकार उमर फयाज़ भी सवार थे। इस्राईल के रक्षा मंत्री यिस्राइल काट्स ने जब सेना को इसे रोकने का आदेश दिया, तो जवाब में हमास नेता डॉ. बासिम नईम ने कहा कि इस्राईल के सभी नेता इन कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के ज़िम्मेदार हैं। ये लोग अपनी जान जोखिम में डालकर इंसानियत की गरिमा के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। उन्होंने माडलीन के मिशन की सराहना की और कहा कि ऐसी कोशिशें इंसानियत और आज़ादी की सच्ची मिसाल हैं। यह आज़ादी की कश्ती इस्राईली और अमरीकी गठबंधन के अत्याचार को शिकस्त देगी। हमास ने कहा कि माडलीन पर हमला खुले तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और इंसानियत के उसूलों को कुचलने वाला अपराध है।

यह अन्याय सिर्फ उस पर सवार लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत की आवाज़ को दबाने के बराबर है। उन्होंने सभी देशों, मानवाधिकार संगठनों, पत्रकारों और इंसानियत से जुड़ी हर संवेदनशील आत्मा से अपील की कि वे इस अन्याय के खिलाफ एकजुट हो जाएं। हमास का भरोसा है कि इस्राईल कितना भी ज़ुल्म कर ले, इंसानियत की आवाज़ को कभी दबा नहीं सकता। यही जोश और उम्मीद 600 दिन बाद भी जिंदा है और इस्राईल को चेतावनी देती रहती है। इस संघर्ष के नायकों के बारे में अल्लामा इक़बाल ने कहा था: ये ग़ाज़ी, ये तेरे रहस्यमय बंदे, जिन्हें तू ने दिया है खुदा जैसा जोश, इनकी ठोकर से सहरा और समंदर सिमट कर पहाड़ भी बन जाए राई.

भ्रामक आख्यानों का मुकाबला: भारत में मुस्लिम सुरक्षा की वास्तविक स्थिति

कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट और मानवाधिकार संगठनों ने भारतीय मुसलमानों की एक गंभीर तस्वीर पेश की है, जो लगातार प्रणालीगत उत्पीड़न के शिकार हैं। हालाँकि, अभद्र भाषा के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाइयों, सरकारी कल्याणकारी पहलों और स्वतंत्र सामाजिक सर्वेक्षणों की व्यापक समीक्षा से बहुत अधिक संतुलित वास्तविकता का पता चलता है। यति नरसिंहानंद और नितीश राणे के मामले सांप्रदायिक अभद्र भाषा के अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की भारत की इच्छा का उदाहरण हैं: भड़काऊ बयानबाजी के लिए एक त्वरित कानूनी प्रतिक्रिया में, गाजियाबाद पुलिस ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए यति नरसिंहानंद के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज कीं। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने सार्वजनिक आक्रोश के बाद अभद्र भाषा अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत औपचारिक रूप से उन पर आरोप लगाए। महाराष्ट्र में, विधायक नितीश राणे पर "लव जिहाद" और "भूमि जिहाद" पर सांप्रदायिक भय को बढ़ावा देने वाले भाषणों के बाद मामला दर्ज किया गया, और इस बात पर प्रकाश डाला कि राजनीतिक हस्तियाँ भी कानूनी सीमाओं का उल्लंघन करने के लिए अभियोजन से मुक्त नहीं हैं। ये हाई-प्रोफाइल मामले एक गतिशील कानूनी प्रणाली को उजागर करते हैं जो सांप्रदायिक उकसावे को दंडित करने से नहीं कतराती है, मुस्लिम विरोधी घृणा में राज्य की मिलीभगत के दावों का खंडन करती है। भारत का कानूनी ढांचा सक्रिय रूप से अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने घृणा फैलाने वाले भाषण के खिलाफ कई निर्देश जारी किए हैं और धर्मनिरपेक्षता को एक मुख्य संवैधानिक मूल्य के रूप में दोहराया है, विशेष रूप से नागरिकता संशोधन अधिनियम पर अपने फैसले में। इसने इस फैसले को बरकरार रखा है कि नागरिकता केवल धार्मिक आधार पर नहीं दी जा सकती या रद्द नहीं की जा सकती। पंजाब और केरल जैसे राज्यों में, उच्च न्यायालयों ने मुस्लिम भूमि और धार्मिक संपत्तियों को अवैध अतिक्रमण से बचाने के लिए हस्तक्षेप किया है, जो राज्य स्तर पर प्रभावी न्यायिक निगरानी का प्रदर्शन करता है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग एक वैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है जो शिकायतों की जांच करता है, आरक्षण के कार्यान्वयन की निगरानी करता है और मुसलमानों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए उपचारात्मक उपायों की सिफारिश करता है। भारत ने सामाजिक -आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिए मुकदमेबाजी के साथ-साथ कल्याणकारी उपायों का विस्तार किया है, जैसा कि 2006 की सच्चर समिति की रिपोर्ट में उजागर किया गया था, जिसमें मुसलमानों के लिए शिक्षा, रोजगार और ऋण तक पहुंच में अंतर का पता चला था। अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय अब पचास से अधिक योजनाओं का प्रबंधन करता है, जिसमें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति से लेकर कौशल विकास कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्होंने सामूहिक रूप से अकेले 2022-23 में मुस्लिम छात्रों को लाखों छात्रवृत्तियाँ वितरित की हैं। नई मंज़िल योजना जैसी विशेष पहल ने अल्पसंख्यक युवाओं में स्कूल छोड़ने वालों तक पहुँच बनाई है, कौशल अंतर को पाटने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत वित्तीय समावेशन का विस्तार किया गया है, मुस्लिम बहुल जिलों में खाता पैठ लगातार बढ़ रही है, जिससे पहले के अध्ययनों द्वारा उजागर किए गए ऋण अंतर को कम किया जा रहा है। 2021 के प्यू रिसर्च सेंटर के अध्ययन सर्वेक्षण से पता चला है कि 95 प्रतिशत मुसलमानों ने अपनी भारतीय पहचान पर गर्व व्यक्त किया, और 85 प्रतिशत ने भारतीय संस्कृति को कुछ मामलों में श्रेष्ठ माना, जो अलगाव के बजाय अपनेपन की गहरी भावना को दर्शाता है। नागरिक समाज और सामुदायिक कार्यकर्ता सांप्रदायिक आख्यानों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्थानीय तनाव को कम करने के लिए जमीनी स्तर के संगठन नियमित रूप से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करते हैं; राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने 2023 में सांप्रदायिक घटनाओं की निष्पक्ष जांच करने के लिए मुस्लिम नेताओं, पुलिस और मानवाधिकार रक्षकों से मिलकर त्वरित प्रतिक्रिया टीमों का समन्वय किया। ये हस्तक्षेप एक मजबूत नागरिक पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाते हैं जो गलत सूचनाओं को सक्रिय रूप से चुनौती देता है और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है। अन्य लोकतंत्रों की तुलना में, भारत का बहुलवाद जांच के दायरे में आता है। कई पश्चिमी देशों में, मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों को अलगाव, सीमित राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो अक्सर भारत में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को कम कर देता है। पर्यवेक्षकों के लिए अलग-अलग घटनाओं के बीच अंतर करना और खतरे की भयावह कहानियों में शामिल होने से बचना महत्वपूर्ण है। उन्हें अल्पसंख्यकों की समान रूप से सुरक्षा के लिए सरकारी उपायों और तंत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत को मुसलमानों के लिए समान रूप से असुरक्षित के रूप में चित्रित करना कानूनी जवाबदेही, सामाजिक-आर्थिक विकास और अंतर-सामुदायिक एकजुटता में महत्वपूर्ण प्रगति को नजरअंदाज करता है। विदेशी भड़काने वालों द्वारा फैलाई गई चरमपंथी घटनाओं के साथ उन्हें भ्रमित करके वास्तविक सुधारों को अवैध ठहराने का भी जोखिम है। एक संतुलित मूल्यांकन कानून द्वारा स्थापित प्रक्रियाओं की प्रगति और कार्यान्वयन को स्वीकार करता है। जैसा कि दुनिया भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा कर रही है, इसे वास्तविकता पर आधारित होना चाहिए, न कि सनसनीखेज घटनाओं पर निर्भर रहना चाहिए जो मुस्लिम नागरिकों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए चल रहे बहुआयामी प्रयासों को अस्पष्ट करती हैं।

अल्ताफ मीर, पीएचडी स्कॉलर, जामिया मिलिया इस्लामिया.

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद के मानसून सत्र में चर्चा हुई तो विपक्ष को क्या फायदा मिलेगा

ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष दुनिया को बताने के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विदेश दौरे से लौट आये हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सांसदों की मुलाकात भी हो चुकी है. रिपोर्ट देने और बाकी हिसाब किताब देने जैसी औपचारिकताएं, बची हैं तो वे भी पूरी हो जाएंगी.अब राजनीति के दो खास मौके आने वाले हैं. एक, संसद का मॉनसून सत्र और दूसरा बिहार विधानसभा का चुनाव, ये तो मानकर चलना चाहिये कि बिहार चुनाव में तो सभी अपनी-अपनी राजनीतिक लाइन पर मोर्चा संभाले मिलेंगे, लेकिन संसद में अलग रंग देखने को मिल सकता है, और ये प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद के लिए फिलहाल केंद्र सबसे बड़ी चुनौती भी है.की बीजेपी सरकार ने विपक्ष की स्पेशल सत्र बुलाने की मांग पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है. मान लेना चाहिये, ये मांग ठुकरा दी गई है. विपक्षी खेमे के 16 दलों की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई थी. ऐसी ही मांग आम आदमी पार्टी की तरफ से भी हुई है, लेकिन वो विपक्ष के संयुक्त मांग में शामिल नहीं है. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ से भी पत्र लिखे गये थे, और संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई थी, ताकि पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर के मुद्दे पर खुलकर बहस हो सके. सबसे बड़ी चुनौती भी है.स्पेशल सेशन की डिमांड का पूर्व रक्षा मंत्री शरद पवार ने विरोध किया था. शरद पवार का कहना था कि राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर संसद में बहस करना ठीक नहीं होगा. भले ही इसके लिए सर्वदलीय बैठक बुला ली जाये, और वहां पर चर्चा की जा सकती है. बीजेपी और सहयोगी दलों के नेताओं के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल तो रुटीन की राजनीति जैसा ही रहा, लेकिन विपक्षी खेमे के नेताओं के लिए तो किसी एडवेंचर जैसा माहौल बन गया था. ऐसा होने की वजह भी थी. बीजेपी और सहयोगी दलों के नेता तो वही सब करते और बोलते थे, जो रोजमर्रा की राजनीति में बोलना और करना होता था, लेकिन विपक्षी खेमे के नेताओं का बदला हुआ रूप हर कोई नोटिस कर रहा था. असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता तो अलग ही मीडिया की सुर्खियों में छाये हुए थे. शशि थरूर को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किये जाने पर भी सुर्खियां बनीं, और यूसुफ पठान के इनकार को लेकर भी. और सिर्फ शशि थरूर ही नहीं, सलमान खुर्शीद और मनीष तिवारी जैसे नेता भी अपने ही साथियों के निशाने पर आ गये थे. निश्चित तौर पर कांग्रेस नेता पहलगाम अटैक के बाद केंद्र की बीजेपी सरकार के साथ कदम कदम पर खड़े रहने का वादा कर रहे थे, लेकिन जैसे ही मौका मिलता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के राजनीतिक बयान आ जाते. और बीजेपी नेता अपनी प्रतिक्रिया देकर उसे और हवा दे देते रहे. मॉनसून सत्र शुरू होने में महीना भर से ज्यादा वक्त है, तब तक क्या राजनीतिक माहौल होगा? डेलिगेशन के सदस्यों से उनके अनुभव पूछे जाएंगे, किसी भी मंच पर जाएंगे तो फिलहाल सवाल तो उसी टॉपिक पर होगा, और उनका जवाब सुनना भी दिलचस्प होगा. एक सवाल ये भी है कि क्या सांसद मानसून सत्र शुरू होने तक प्रतिनिधिमंडल के सारे सदस्य यूं ही राष्ट्रवादी बने रहेंगे, ये घरेलू राजनीति में फिर से रंग जाएंगे? जैसे कि सत्तापक्ष की तरफ से संकेत मिल रहे हैं, हो सकता है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूरे मामले पर बयान दें.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

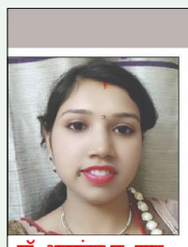
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, गुरुवार, 12 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

आज कांग्रेस गढ़चिरोली में 'किसान सभा और किसान न्याय पदयात्रा' निकालेगी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल होंगे मुख्य अतिथि, 10 हजार किसान होंगे शामिल

गढ़चिरोली.

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय हर्षवर्धन दादा सपकाल गढ़चिरौली जिले के दौरे पर आ रहे हैं और 12 जून 2025 को दोपहर 12 बजे अभिनव गढ़चिरौली में किसान सभा का आयोजन किया जाएगा, उसके बाद 'किसान न्याय पदयात्रा' निकाली जाएगी। यह पदयात्रा अभिनव लॉन, से जिला कलेक्टर कार्यालय तक आयोजित की गई है। इस पदयात्रा के माध्यम से किसानों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस किसान न्याय पदयात्रा में कांग्रेस विधायक दल के नेता विधायक विजय वड्डेटीवार, सांसद डॉ.नामदेव किरसान, सांसद प्रतिभा धानोरकर, सांसद श्यामकुमार बर्वे, सांसद प्रशांत पडोले, सांसद बलवंत वानखेड़े, अखिल भारतीय कांग्रेस सचिव कुणाल चौधरी, पूर्व सांसद मारोतराव कोवासे, विधायक रामदास मसराम, विधायक अभिजीत वंजारी, विधायक सुधाकर अडबाले , पार्टी निरीक्षक सचिन नाईक, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष मनोहर पाटिल पोरेटी सहित वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी शामिल होंगे। गढ़चिरौली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र ब्राह्मणवाडे ने जिले के किसानों, युवाओं, महिलाओं, कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व नागरिकों से अपील की है कि वे इस किसान सभा व किसान न्याय पदयात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हों।

गडचिरोली जिले के कई इलाकों में जंगली हाथियों, बाघों, भालुओं, जंगली सूअरों की बढ़ती आवाजाही के कारण बड़े पैमाने पर जनहानि और कृषि फसलों को नुकसान हो रहा है। इसके कारण नागरिकों में दहशत का माहौल बना हुआ है और उन्हें तत्काल और स्थायी रूप से बसाया जाए तथा अधिकतम मुआवजा 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जाए या नुकसान के अनुपात में मुआवजा दिया जाए, अन्य कृषि सामग्री मुआवजे में शामिल नहीं है, केवल 5 हजार रुपये देने का प्रावधान है। यदि किसी किसान के सोलर पंप का पैनल हाथी द्वारा तोड़ा जाता है, तो वास्तविक नुकसान के अनुपात में मुआवजा दिया जाए।

किसानों को प्रति हेक्टेयर बोनस देने की घोषणा की गई थी, लेकिन अभी तक बोनस नहीं दिया गया है। बोनस तत्काल दिया जाना चाहिए।

बेमौसम बारिश के कारण हुए नुकसान का पंचनामा कर तत्काल आर्थिक मुआवजा दिया जाना चाहिए।

गडचिरोली जिले के नागरिकों का मुख्य व्यवसाय कृषि होने के कारण किसानों को मजबूरन सोलर पंप लगवाने पड़े हैं, लेकिन सोलर पंप तुरंत नहीं लगाए जाते और अगर वे खराब हो जाते हैं, तो कंपनी सेवा नहीं देती, इसलिए जिन किसानों ने मांग राशि पहले ही चुका दी है, उन्हें बिजली कनेक्शन दिए जाएं और मांग राशि की वापसी बंद कर दी जाए तथा 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाए।

गडचिरोली जिले में प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए उपजाऊ कृषि भूमि अधिग्रहित करने के बजाय शहर के पास साइंस कॉलेज के बगल में बंजर और झाड़ीदार वन भूमि अधिग्रहित की जानी चाहिए।

उद्योग लगाने के नाम पर जिले में किसानों की जमीनें सस्ते दामों पर खरीदी जा रही हैं। इन मामलों की जांच की जानी चाहिए और किसानों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

किसानों की मुख्य मांगें...

मानसून से पहले जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर, नर्स और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि जिले का कोई भी निर्दोष नागरिक अपर्याप्त स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण अपनी जान न गंवाए।

गढ़चिरौली जिले में बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। सुरजागड़ और लॉयड मेटल के कोनसरी परियोजनाओं में स्थानीय लोगों को कम से कम 80% रोजगार देने की नीति है, लेकिन इसका उल्लंघन किया जा रहा है। साथ ही, इस बारे में जानकारी भी नहीं दी जा रही है, इसे उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसी प्रकार जिले में सरकारी कार्यालयों में रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए।

मानसून के दौरान गोसीखुर्द बांध से अत्यधिक जल निकासी तथा मेडिगट्टा बांध में बैकवाटर के कारण जिले में हर वर्ष बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने से कृषि तथा गांवों को भारी नुकसान होता है, इसे रोकने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं।

रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को मजदूरी का भुगतान, सिंचाई कुओं के लिए अनुदान, घरकुल योजना के तहत लाभार्थियों को अनुदान, आदि मामले सरकारी स्तर पर लंबित हैं, जिन्हें तत्काल दिया जाना चाहिए।

खरीफ सीजन से पहले किसानों को बीज, खाद तथा ऋण योजनाओं में आसानी दी जाए।

मानसून से पहले जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों का काम तत्काल पूरा किया जाए।

आज विश्व बाल-श्रम निषेध दिवस

> बाल श्रम का नियोजन दंडनीय अपराध है

चंद्रपुर.

भारतीय संविधान के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य बच्चों के मौलिक अधिकार हैं। इन अधिकारों की रक्षा के लिए समाज में बाल श्रम की प्रथा को पूरी तरह से समाप्त किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नियोजित करना गंभीर अपराध माना है और ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के लिए कठोर दंड का प्रावधान किया है।

केंद्र सरकार द्वारा पारित "बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986" के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी व्यापार या प्रक्रिया में नियोजित करना तथा 14 वर्ष पूर्ण कर चुके किन्तु 18 वर्ष पूर्ण न करने वाले किशोरों को खतरनाक उद्योगों में नियोजित करना कानून के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। ऐसे अपराध के लिए संबंधित नियोक्ता को 6 माह से 6 वर्ष तक कारावास तथा 20,000 से 50,000 रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। इसलिए चंद्रपुर जिले के सभी दुकानदार, उद्यमी, प्रतिष्ठान मालिक, निर्माण नियोक्ता, ईंट भट्टे और अन्य संबंधित मालिक किसी भी बाल या किशोर श्रमिक को काम पर न रखें। बाल श्रम न केवल कानूनी उल्लंघन है बल्कि एक गंभीर अमानवीय प्रथा भी है जो सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समस्याओं को जन्म देती है। इसलिए 12 जून को "विश्व बाल श्रम निषेध दिवस" के रूप में मनाते हुए, सभी नागरिकों को इस सामाजिक मुद्दे के बारे में जागरूक होने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग करने की आवश्यकता है। संबंधित लोगों से अपील की जा रही है कि अगर कहीं भी बाल या किशोर श्रमिक पाए जाते हैं तो तुरंत जिला प्रशासन से संपर्क करें।

आखिरकार आदिवासी समुदाय का इंतजार हुआ खत्म

> राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना को कैबिनेट ने दी मंजूरी

चंद्रपुर.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने आदिवासी समुदाय को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार, जमीन, पानी, घर और सरकारी योजना की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैबिनेट की बैठक में महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना को मंजूरी दे दी है. इसके जरिए आदिवासी समुदाय की हर समस्या का समाधान किया जाएगा. अब आदिवासियों की वर्षों से चली आ रही यह मांग पूरी होगी, यह जानकारी भाजपा शहर जिला अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार ने एक पत्रकार वार्ता में दी.

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की मांग कई वर्षों से लंबित थी. यह केवल नारों तक ही सीमित थी. लेकिन मुख्यमंत्री फडणवीस के निर्णय और आदिवासी विकास मंत्री डॉ. उइके के प्रयासों से यह मांग हकीकत बन गई है. इस आयोग को एक अध्यक्ष और चार गैर-सरकारी सदस्यों का वैधानिक दर्जा दिया जाएगा। आयोग के कामकाज के लिए 26 पद, कार्यालय स्थान, कर्मचारी, आवश्यक सुविधाएं और मशीनरी के निर्माण के लिए 4.20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आयोग की स्थापना से अनुसूचित जनजाति समुदाय के मुद्दों पर सीधे और तत्काल निर्णय लिए जा सकेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जमीन, पानी, आवास और योजनाओं के कार्यान्वयन जैसे क्षेत्रों में समस्याओं पर समय पर नज़र रखना और ठोस उपाय लागू करना संभव होगा। विशेष रूप से, आयोग इस बात की बारीकी से निगरानी करेगा कि सरकार की विभिन्न योजनाएं और रियायतें आदिवासी समुदाय तक पहुँचती हैं या नहीं और जरूरतमंदों को न्याय मिलता है या नहीं। यह अनुसूचित जनजातियों के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के लिए एक निर्णायक कदम है। आयोग की स्थापना करके, महाराष्ट्र सरकार ने आदिवासी समुदाय के न्यायोचित अधिकारों को मजबूत किया है। यह निर्णय आदिवासी समुदाय को विकास की धारा में मजबूती से एकीकृत करने का दूरदर्शी निर्णय है। शिक्षा में बाधा हो, स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो, जमीन संबंधी मुद्दे हों या सरकारी योजनाओं का लाभ हो, अब इन सभी मामलों की सुनवाई एक ही स्थान पर होगी और त्वरित निर्णय लिए जाएंगे, यह जानकारी कासंगोट्टुवार ने एक पत्रकार वार्ता में दी।

पत्रकार वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा महानगर धनराज कोवे, अरुण मडावी, अरविंद मडावी, किशोर आत्राम, विक्की मेश्राम, चंद्रकला सोयाम, दत्तू कोरबाटे, सिमा मडावी, यशवंत सिदाम उपस्थित थे।

वन विभाग के डॉक्टरों ने की अपनी पहचान ढूंढने की कोशिश

> जान जोखिम में डालकर जंगली जानवरों का इलाज करनेवाले डॉ. कुंदन पोडचालवार और डॉ. रविकांत खोबरागड़े

> अभी भी वन विभाग की जानबूझकर लापरवाही

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

पिछले सात वर्षों से डॉ. कुंदन पोडचालवार मानव बस्तियों में आए घायल जंगली जानवरों का इलाज करते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर बचाव अभियानों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

पशुपालन में स्नातक कुंदन पोडचालवार सितंबर 2016 में एक अनुबंध पशु चिकित्सक के रूप में ताडोबा वन्यजीव उपचार केंद्र में शामिल हुए। वन्यजीवों और जंगलों में कोई अनुभव नहीं होने के कारण, उन्हें इस विभाग में काम करते समय कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्हें उसी विभाग में काम करने वाले पशु चिकित्सक रविकांत खोबरागड़े से बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन मिला।

उन्होंने अब तक 550 से अधिक जंगली जानवरों का इलाज किया है और बाघ, तेंदुए, भालू, हाथी आदि जंगली जानवरों के 50 से अधिक बचाव अभियानों में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया है और अभियानों को सफल बनाया है।

इसके बावजूद वन विभाग सात साल से मामूली मानदेय दे रहा है, जबकि वे अपनी जान जोखिम में डालकर और सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। पिछले कई सालों से वन विभाग ने वन्यजीव संरक्षण के लिए पशु चिकित्सकों की भर्ती नहीं की है। चंद्रपुर जंगल में केवल दो पशु चिकित्सक डॉ. रविकांत खोबरागड़े और डॉ. कुंदन पोडचालवार संविदा के आधार पर काम कर रहे हैं।

लेकिन सरकार और वन विभाग इस मांग को अनदेखा कर रहे हैं। चूंकि इस वन विभाग में पर्याप्त पशु चिकित्सा अधिकारी नहीं हैं, इसलिए वन्यजीव अभियानों को लागू करने में मैदानी वन कर्मचारियों को अक्सर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

पालक मंत्री के हाथों डायलिसिस विभाग में विस्तारित कक्ष का उद्घाटन

> मरीजों को समय पर और उचित उपचार में मदद मिलेगी

चंद्रपुर.

चंद्रपुर के जिला सामान्य अस्पताल में डायलिसिस विभाग में विस्तारित कक्ष का उद्घाटन हाल ही में राज्य के आदिवासी विकास मंत्री और चंद्रपुर जिले के पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके के हाथों और विधायक किशोर जोरगेवार की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शल्य चिकित्सक डॉ. महादेव चिंचोले ने की और मुख्य अतिथि जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी., मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुलकित सिंह, कॉलेज के डीन डॉ. मिलिंद कांबले, ताड़ोबा परियोजना के उपनिदेशक (कोर) आनंद रेड्डी, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक भास्कर सोनारकर, निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. हेमचंद कन्नाके आदि उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित थे।

पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके ने डायलिसिस विभाग के चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों के काम की प्रशंसा की और उन्हें ऐसा ही करते रहने की सलाह दी। उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों को समय पर और अच्छा उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। डायलिसिस विभाग में मासिक 550 से 600 डायलिसिस किए जाते हैं। वर्ष 2024-25 में कुल 6368 डायलिसिस किए गए। इसके लिए चंद्रपुर जिला सामान्य अस्पताल को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान मिला। शुरुआत में जिला अस्पताल में 9 डायलिसिस मशीन चालू थीं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण 20 से 24 मरीज प्रतीक्षा सूची में थे। मरीज स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहें, इस उद्देश्य से पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके और जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी के मार्गदर्शन में जिला नियोजन समिति द्वारा 4 नई डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराई गई हैं। डायलिसिस विभाग के विस्तार से अब सभी डायलिसिस मरीजों को सेवा दी जा सकेगी और किसी भी मरीज को आर्थिक दंड नहीं देना पड़ेगा। वर्तमान में सामान्य अस्पताल में 13 डायलिसिस मशीन उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंग स्टाफ यहां मरीजों की सेवा कर रहे हैं। यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है। इससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को काफी फायदा होगा। डायलिसिस विभाग जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इससे कई मरीजों को समय पर और उचित उपचार मिल सकेगा। हालांकि स्वास्थ्य प्रशासन ने अधिक से अधिक डायलिसिस मरीजों से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की है।

चार एम्बुलेंस का लोकार्पण : जिला सामान्य अस्पताल में नई आई चार एम्बुलेंस का लोकार्पण भी पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिभा धानोरकर, सांसद डॉ. नामदेव किरसान, विधायक किशोर जोरगेवार, कीर्तिकुमार भांगड़िया, देवराव भोंगले, करण देवतले, जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी., जिला शल्य चिकित्सक डॉ. महादेव चिंचोले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कटारे आदि उपस्थित थे।

इशिता दूसरी बार बनीं मां

बॉलीवुड और टीवी के मशहूर कपल इशिता दत्ता और वत्सल सेठ एक बार फिर से माता-पिता बन गए हैं. 'दृश्यम' फेम एक्ट्रेस के घर इस बार लक्ष्मी आई है. इशिता ने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है. कपल पहले ही एक बेटे वायु के पैरेंट्स हैं और अब उनके परिवार में नन्ही परी के आने से खुशियां दोगुनी हो गई हैं.

अपनी इस खुशी को एक्ट्रेस ने फैंस के साथ शेयर किया करते हुए कुछ ऐसा कहा जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है.इशिता दत्ता और वत्सल सेठ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत फैमिली फोटो शेयर कर फैंस के साथ यह गुड न्यूज शेयर की है. सामने आई तस्वीर में इशिता अस्पताल के बेड पर अपनी बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं, जबकि उनका बेटा वायु खुशी से अपनी बहन को देख रहा है. हालांकि, कपल ने अपनी लाडली का चेहरा अभी नहीं दिखाया है, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ गई है.इशिता ने फोटो को साझा करते हुए दिल छू लेने वाली बात कही. उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'दो से चार दिल एक साथ धड़क रहे हैं. हमारा परिवार अब पूरा हो गया. एक बेटी का आशीर्वाद मिला है.' कपल के इस पोस्ट पर अब फैंस से लेकर सेलेब्स तक के बधाइयों का तांता लग गया है. तन्वी ठक्कर ने लिखा, 'उफ्फ, बधाई हो दोस्तों.' किश्वर मर्चेंट ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'बधाई हो दोस्तों.' वहीं रकुल प्रीत सिंह ने लिखा, 'मुबारक हो गाइज.' इसके अलावा फैंस भी कपल को प्यार और शुभकामनाएं दे रहे हैं.इशिता दत्ता और वत्सल सेठ की मुलाकात साल 2016 में टीवी शो 'रिश्तों का सौदागर-बाजीगर' के सेट पर हुई थी. दोनों दोस्त बने और फिर प्यार का रिश्ता शुरू हुआ. कुछ टाइम एक दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 28 नवंबर, 2017 को मुंबई के जुहू स्थित इस्कॉन मंदिर में सात फेरे लिए. शादी के छह साल बाद जुलाई 2023 में उन्होंने अपने पहले बच्चे बेटे वायु का स्वागत किया.

मन्नत से भी महंगा निकला रणबीर-आलिया का घर

बॉलीवुड में शाहरुख खान का मन्नत सबसे महंगे घरों में गिना जाता है. जिसकी कीमत लगभग 200 करोड़ रुपये बताई गई है. फिलहाल वो अपने परिवार के साथ पाली हिल में वाशु भगनानी के किराए पर लिए डुप्लेक्स में रह रहे हैं. उनके 'मन्नत' में इस वक्त काम चल रहा है, जो लगभग 2-3 साल तक चलेगा. वहीं दूसरी ओर कपूर खानदान के लाडले रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपना ड्रीम बंगला तैयार करा रहे हैं. हाल ही में पता लगा कि उनके आलीशान बंगले का काम पूरा होने वाला है. जल्द अपनी बेटी राहा के साथ गृह प्रवेश करेंगे. क्या उनका घर शाहरुख खान के मन्नत से महंगा है?रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का नया बंगला पाली हिल के प्लैटिनम बेल्ट में स्थित है. यह 6 मंजिला मेंशन है, जिसमें रूफटॉप गार्डन और बालकनी है. दरअसल इस घर का काम कई सालों से चल रहा है. रणबीर कपूर अक्सर अपनी पत्नी आलिया भट्ट और मां नीतू कपूर के साथ यहां दिखते हैं. कई बार बेटी राहा भी साथ में नजर आ चुकी हैं. जानकारी के मुताबिक, रणबीर कपूर के घर का हर डिजाइन और आर्किटेक्ट खुद नीतू कपूर देख रही हैं. कहा जा रहा है कि रणबीर-आलिया के घर की कीमत मन्नत से ज्यादा है. यानी 200 करोड़ से ज्यादा है. रणबीर कपूर के नए घर की कीमत 250 करोड़ रुपये है. जो मुंबई में सबसे महंगा सेलिब्रिटी हाउस बन गया है. इसने शाहरुख खान के 200 करोड़ के मन्नत के साथ ही अमिताभ बच्चन के जलसा को भी पीछे छोड़ दिया है. बिग बी के जलसा की कीमत 120 करोड़ रुपये है.सबसे खास बात यह है कि इस घर को रणबीर-आलिया ने बेटी राहा के नाम पर रजिस्टर करवाया है. दोनों जल्द ही अपनी बेटी के साथ इसी घर में रहने आएंगे.

8 फ्लॉप के बाद भी नहीं डगमगाए मिथुन

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में शुमार मिथुन चक्रवर्ती अपने अभिनय के साथ ही अपने डांस से भी फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहे हैं. उन्हें फैंस 'डिस्को डांसर' के नाम से भी जानते हैं. 70 के दशक के बीच में अपना करियर शुरू करने वाले मिथुन चक्रवर्ती बतौर लीड एक्टर बड़े पर्दे पर 90 के दशक तक छाए रहे. वो आज भी बॉलीवुड में काम कर रहे हैं.मिथुन चक्रवर्ती ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. हालांकि उनकी कई फिल्में तो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी हैं. एक बार तो उनकी लगातार 33 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं. हालांकि जब उनसे इस बारे में बात की गई तो दिग्गज एक्टर ने कुछ अलग ही कहानी बयां की थी. लेकिन फ्लॉप के दौर में भी उनका स्टारडम हिला नहीं था और लगातार फ्लॉप देने के बाद भी मिथुन ने 12 फिल्में साइन कर डाली थीं.साल 1976 में फिल्म 'मृगया' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले मिथुन अपनी पहली ही फिल्म से छा गए थे. वहीं 1982 की पिक्चर 'डिस्को डांसर' ने उन्हें बतौर स्टार इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया था. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. हालांकि 1993 से लेकर 1998 तक ये पांच साल मिथुन के फिल्मी करियर के लिए बहुत बुरे साबित हुए थे.

शूरा की प्रेग्नेंसी पर अरबाज की पहली प्रतिक्रिया

अरबाज खान और उनकी दूसरी पत्नी शूरा खान माता पिता बनने को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं. 57 साल की उम्र में अरबाज एक बार फिर से पिता बनने जा रहे हैं. वहीं शूरा खान को भी उनके बेबी बंप के साथ कैप्चर किया जाता है. शूरा के साथ अरबाज अपनी पर्सनल लाइफ को काफी इंजॉय कर रहे हैं. प्रेग्नेंसी की खबरें सामने आने के बाद पहली बार सलमान खान के भाई ने फिर से पिता बनने के बारे में खुलकर बात की है.अरबाज खान ने कबूल किया कि वह नर्वस हैं. उन्होंने कहा कि इस समय हर कोई नर्वस होता है. अरबाज ने यह भी स्वीकार किया कि वह काफी समय बाद पिता बन रहे हैं, इसलिए यह उनके लिए एक नया एहसास है. एक्टर ने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला, 'मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, और यह मुझे खुशी और जिम्मेदारी का एक नया एहसास दे रहा है. मुझे ये अच्छा लग रहा है.दरअसल प्रेग्नेंसी की अफवाह तब शुरू हुई जब शुरा खान को मैटरनिटी क्लिनिक के बाहर देखा गया. इस जोड़े ने शुरुआत में इसे गुप्त रखा. हालांकि शूरा को उनके बेबी बंप के साथ कई बार देखा जा चुका है, जिसके चलते इस खबर पर पक्की मुहर लग चुकी है.

राजेश खन्ना के बर्ताव पर बोलीं मुमताज़

दिग्गज अदारा मुमताज अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ और फिल्मों की शूटिंग से जुड़े पुराने जमाने के किस्सों को शेयर करती रहती हैं। मुमताज का नाम कई सुपरस्टार के साथ जुड़ा जिनके बारे में वो अपने इंटरव्यू में भी खुलकर बात करती दिखाई देती हैं। अब एक बार फिर से मुमताज ने अपनी जवानी के दिनों की कुछ अनसुनी बातें बताई कुछ वक्त पहले मुमताज ने काका संग काम करने का अनुभव शेयर किया। साथ ही ये भी बताया कि वो सेट पर उनके साथ कैसा बर्ताव करते थे। दरअसल, मुमताज ने राजेश खन्ना संग कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस पर्दे पर खूब पसंद करते थे। वहीं रियल लाइफ में भी दोनों की दोस्ती काफी गहरी थी। ऐसे में उस दौर में दोनों के अफेयर के भी खूब चर्चे रहे थे। इन खबरों पर रिएक्ट करते हुए ही मुमताज ने एक्टर का किस्सा सुनाया था हैं।

मुमताज ने रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में राजेश खन्ना को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि हम दोनों का रिश्ता काफी प्यार भरा था। ऐसे में लोग अक्सर ये कयास लगाते थे कि हमारा अफेयर चल रहा था। लेकिन ये बिल्कुल भी सच नहीं था।

इस फिल्म में साथ नजर आए शाहरुख और आमिर

बॉलीवुड के किंग खान कहे जाने वाले शाहरुख खान ने कई फिल्में की हैं. वहीं सलमान खान भी इंडस्ट्री के फेमस हीरो हैं. बॉलीवुड में तीनों खान की बहुत चलती है. लेकिन ये तीनों खान कभी साथ फिल्म नहीं किए हैं. शाहरुख ने सलमान खान के साथ भी कई शानदार फिल्में की हैं. बॉलीवुड की दुनिया में सलमान और शाहरुख की जोड़ी बहुत हिट है. वहीं आमिर खान भी बहुत फेमस हीरो हैं. आमिर ने भी बहुत हिट फिल्में की हैं. लेकिन शाहरुख ने आमिर खान के साथ सिर्फ एक ही फिल्म की है. हैरानी की बात तो यह है कि दोनों की कैमियो वाली ये फिल्म भी फ्लॉप हो गई. दोनों इस फिल्म में सिर्फ कुछ ही देर के लिए नजर आए थे.फिल्म इंडस्ट्री के फेमस सितारे तीनों खान बहुत ही ज्यादा फेमस हैं. तीनों खान ने बहुत इज्जत और रुतबा कमाया है. इनकी फिल्में देश और विदेश में हिट होती हैं. फिल्म इंडस्ट्री के क्षेत्र में इतने फेमस ये एक्टर्स कभी भी साथ नहीं नजर आए हैं. लेकिन शाहरुख और सलमान कई फिल्मों में साथ दिखे हैं. वहीं शाहरुख और आमिर खान केवल एक फिल्म में ही साथ दिखे थे. ये दोनों एक साल 1993 के एक फिल्म 'पहला नशा' में साथ दिखे थे. इस फिल्म को आशुतोष गोवारिकर ने निर्देशित किया है. इसमें पूजा भट्ट और रवीना टंडन भी साथ नजर आईं थीं.इस फिल्म में कई बड़े सेलेब्स थे. इसमें दोनों खान के अलावा सैफ अली खान, राहुल रॉय, सुदेश बेरी, और जूही चावला भी थे. फिल्म में कई बड़े सितारे होने के बाद भी यह फिल्म फ्लॉप हो गई थी. इस फिल्म से मेकर्स को बहुत उम्मीदें थी लेकिन सब निराश हो गए थे. इस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद शाहरुख खान और आमिर खान ने कभी साथ फिल्म नहीं की. हालांकि दर्शकों को दोनों एक्टर की साथ वाली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहें हैं. फैंस चाहते हैं कि दोनों खान एक साथ जरूर काम करें.

रिंकू सिंह की सगाई में जया बच्चन रहीं गुमनाम

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की युवा सांसद प्रिया सरोज ने 8 जून 2025 को लखनऊ के 'द सेंट्रम' होटल में सगाई कर ली। इस खास मौके पर राजनीति, क्रिकेट और बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। अब दोनों की सगाई की तस्वीरें सोशल और वीडियो मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई में डिंपल यादव बेहद सिंपल और खूबसूरत लुक में शिरकत करने के लिए पहुंची थीं। डिंपल यादव की एक झलक पाने के लिए सेल्फी लेने के लिए लोग काफी बेसब्र दिखाई दिए। इससे उलट जया बच्चन काफी अलग-थलग दिखाई दे रही हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में डिंपल यादव के साथ तस्वीर क्लिक कराने के लिए महिला रिक्वेस्ट करती दिखाई दे रही है। महिला की इस रिक्वेस्ट को पूरा करते हुए जहां डिंपल यादव पोज देती हैं तो वहीं इस दौरान जया बच्चन पिंक साड़ी में चुपचाप सोफे पर बैठी उन्हें देख रही हैं।लोगों का कहना है कि जया बच्चन कैमरा को देखकर इतना गुस्सा करती हैं कि किसी की हिम्मत ही नहीं हुई होगी। इससे उलट डिंपल यादव उतनी ही शांत हैं। इसके साथ ही एक वायरल वीडियो में जया बच्चन और डिंपल यादव रिंकू और प्रिया के साथ खुलकर ठहाके लगाती दिख रही हैं, जो कि सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। फैंस ने भी उनके इस चुलबुले रूप को काफी पसंद किया है। हालांकि, मामला तब बदला जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य नेता मंच पर पहुंचे। जया बच्चन ने बिना कुछ कहे खुद को एक किनारे कर लिया और बाकी नेताओं को प्रमुखता से आगे आने दिया। सोशल मीडिया पर इसे लेकर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

करण कुंद्रा तेजस्वी प्रकाश की शादी की रस्में शुरू

टेलीविजन स्टार कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी समय से अपने रिलेशन और बॉन्डिंग को लेकर छाए रहते हैं। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की शादी का सभी को काफी बेसब्री से इंतजार है। वहीं अब ये इंतजार खत्म होता दिखाई दे रहा है। करण कुंद्रा और तेजस्वी की कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं। तस्वीरों को करण तेजस्वी की शादी की रस्मों की झलक देखने को मिल रही है। सामने आई तस्वीरों में करण और तेजस्वी हल्दी की रस्म में एक दूसरे के साथ मस्ती और रोमांस में डूबे दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान दोनों येलो थीम पर ग्रैंड इवेंट को खुलकर इंजॉय करते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर फैंस इस कपल को खूब बधाईयां और शुभकामनाएं देते दिखाई दे रहे हैं. हालांकि आपको बता दें कि करण और तेजस्वी की ये तस्वीरें असली नहीं हैं। जी हां, करण और तेजस्वी की शादी के लिए अभी आपको इंतजार करना ही होगा। दरअसल, करण तेजस्वी की ये तस्वीरें एआई द्वारा क्रिएट की गई हैं और पूरी तरह से फेक हैं। हालांकि एक झलक देखने में ये पता लगाना मुश्किल लग रहा है।

तेजस्वी और अभिनेता करण कुंद्रा की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक है। दोनों की मुलाकात 'बिग बॉस 15' के दौरान हुई और तब से वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में उनकी शादी की खबरें सुर्खियों में थीं, लेकिन करण ने सगाई की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि अभी शादी की कोई जल्दी नहीं है। तेजस्वी और करण अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं, जो फैंस को बहुत पसंद आती हैं। तेजस्वी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस, खाना पकाने की कला और करण के प्रति अपने प्यार को अक्सर फैंस के साथ शेयर करती हैं। आज उनकी सादगी और मेहनत ने उन्हें लाखों दिलों की धड़कन बना दिया है।

सोनम के समर्थन में उतरीं नेहा सिंह राठौर

देश को हिला कर रख देने वाले राजा रघुवंशी की हनीमून पर हुई हत्या पर हर कोई बात कर रहा है। इसके साथ ही सभी की अपनी अपनी राय भी है। कई स्टार्स और इन्फ्लुएंसर्स भी इस केस पर अपना नजरिया रख रहे हैं। इस लिस्ट में अब लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ का नाम भी जुड़ गया है। नेहा सिंह राठौड़ ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में उन्होंने अफेयर और लव लाइफ के कारण क्राइम को अंजाम देने वाली महिलाओं के साथ साथ पुरुषों को भी टार्गेट किया है। सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी के साथ अपनी राय रखने वाली नेहा सिंह राठौर अक्सर मोदी सरकार पर निशाना साधती रहती हैं। वहीं अब उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट की है और सोनम रघुवंशी की वजह से सभी महिलाओं पर उठ रहे सवालों पर गुस्सा जाहिर किया है।

नेहा ने अपनी पोस्ट में लिखा है, विवाहेतर संबंधों के चलते पुरुषों की भी हत्या होती है और महिलाएं भी मारी जाती हैं.लेकिन माहौल ऐसा बनाया जा रहा है जैसी सभी पत्नियाँ संभावित हत्यारिन हैं। ये बेहद गंभीर बात पूरे सोशल मीडिया पर मजाक के रूप में फैलाई जा रही है जिसमें महिलाएं भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। हर तरफ़ 'तिरिया चरित्तर' के नारे लगाए जा रहे हैं.और अब जल्दी ही महिलाओं को पुरुषों का जानी दुश्मन घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि इन हत्याओं में महिलाओं के साथ उनके पुरुष साथियों ने भी बढ़-चढ़कर योगदान दिया है लेकिन इस पर किसी को बात नहीं करनी है क्योंकि उससे मनोरंजन में कमी आएगी.मजा किरकिरा होगा.मीम ख़राब होंगे और महिलाओं को अपमानित करने के मिशन ने बाधा आयेगी। नेहा ने अपनी पोस्ट के आखिर मे लिखा है, समाज महिलाओं को कंट्रोल में रखना चाहता है जिसके लिए वो तरह-तरह से उनका मोरल डाउन करता है। उसे सवाल पूछने वाली निडर और निर्भीक महिलाएं नहीं पसंद क्योंकि वो बाक़ी औरतों को भी अपने जैसा बना सकती हैं.जिसका मतलब तो आप समझ ही रहे होंगे ! एक दूसरे पर कीचड़ उछालने की बजाय अब समस्या के समाधान पर विचार करने की जरूरत है।

अनाया बांगर का क्रिकेट से ब्रेकअप?

नई दिल्ली. क्या अनाया बांगर का सबसे प्यारा रिश्ता टूट गया है? क्या अनाया को जो चीज सबसे प्यारी थी, उससे अब उनका मोहभंग हो गया है? ये तमाम सवाल उनके इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर उठे हैं. अनाया ने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी सबसे प्यारी चीज को जारी रखने या उसे छोड़ने को लेकर लोगों की राय मांगी है. लड़का से लड़की बनीं अनाया बांगर की वो सबसे प्यारी चीज क्रिकेट है, जिसे लेकर उन्होंने लोगों से सवाल किए हैं. तो क्या क्रिकेट और अनाया का बॉन्ड खत्म हो चुका है?

अनाया बांगर का सबसे प्यारा रिश्ता क्या है? : अनाया बांगर, भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी हैं. हालांकि, वो पहले लड़का थीं. उनकी पहचान आर्यन बांगर के तौर पर थी, जो अपने पिता की ही तरह क्रिकेट खेलता था. आर्यन बांगर एक स्पिन ऑलराउंडर थे. यूके में हार्मोन ट्रांसप्लांट कराकर आर्यन, अनाया बन गई. हालांकि, इस बदलाव के बाद भी अनाया की क्रिकेट में दिलचस्पी थी. उन्होंने फिल्मीज्ञान को दिए इंटरव्यू में अपने क्रिकेट प्रेम का इजहार भी किया था. ऐसे में सवाल ये है कि जब क्रिकेट से इतना लगाव है तो फिर अनाया को वो पूछने की जरूरत क्यों पड़ी, जो उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानना चाहा है.

क्रिकेट खेलूं या नहीं? : अनाया बांगर ने इंस्टाग्राम पर सफेद कपड़ों वाली तस्वीरों में अपना एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो एक अमेरिकी रैपर के सॉन्ग पर ठुमके लगाते भी दिख रही हैं. इसी पोस्ट के साथ उन्होंने लोगों के लिए एक सवाल भी छोड़ा.

उन्होंने सवाल किया कि- क्रिकेट खेलूं या नहीं? अनाया के दिलो-दिमाग में चल रहे इसी चिंतन को लेकर ये सवाल उपजा है कि क्या उनका सबसे प्यारा रिश्ता टूट गया? क्या अनाया बांगर अब क्रिकेट का त्याग कर देना चाहती हैं? या फिर वो लोगों की सुनने के बाद फैसला करेंगी?

सफेद लिबास और आंखों पर चश्मा : बहरहाल, अनाया का क्रिकेट से रिश्ता बरकरार रहेगा या नहीं ऐसे सवालों का जवाब जो भी हो, उसका पता आने वाले दिनों में चल ही जाएगा. जहां तक उनके इंस्टाग्राम पोस्ट की बात करें तो उसमें आंखों पर चश्मा चढ़ाएं अनाया सफेद कपड़ों में काफी सुंदर लग रही हैं.

बीबीएल 2025-26 ड्राफ्ट: पाकिस्तानी सितारे भी रेस में

नई दिल्ली. बिग बैश लीग (बीबीएल) और विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी 2025-26 सीजन के लिए पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी कर दी गई है, जिसमें इंटरनेशनल क्रिकेट के सितारों की भरमार देखने को मिल रही है. इस लिस्ट में चार पाकिस्तानी खिलाड़ियों का नाम शामिल होना खास चर्चा का विषय बन गया है, जो इस टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं. ड्राफ्ट की प्रक्रिया 19 जून 2025 को आयोजित की जाएगी, जिसमें ब्रिस्बेन हीट को पहला खिलाड़ी चुनेगी.

पाकिस्तानी खिलाड़ियों का लिस्ट में आया नाम

बीबीएल के जनरल मैनेजर एलिस्टेयर डॉब्सन ने इस बात की पुष्टि की है कि इस साल के ड्राफ्ट के लिए कुल 600 से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों ने अपने नाम दिए थे. वहीं, पहली ड्राफ्ट लिस्ट में जिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों का नाम शामिल है, वो शाहीन शाह अफरीदी, शदाब खान, हारिस रऊफ और मोहम्मद रिजवान हैं. इन खिलाड़ियों ने बीबीएल 15 के लिए अपनी उपलब्धता दर्ज कराई है. माना जा रहा है कि इन खिलाड़ियों को नवंबर से फरवरी तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलना है, ऐसे में वह पूरे सीजन में उपलब्ध रहेंगे. इनके अलावा इंग्लैंड के सैम करन और एलेक्स हेल्स , न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और टिम साउथी , श्रीलंका के कुसल परेरा और वेस्टइंडीज के शमर जोसेफ भी दस खिलाड़ियों की पहली ड्राफ्ट लिस्ट में शामिल हैं.

बता दें, ड्राफ्ट में चार राउंड होते हैं, जिसमें सभी टीमों को हर राउंड में एक पिक मिलती है. यानी वह हर बार किसी एक खिलाड़ी को चुन सकती हैं.

डब्लूबीबीएल में भारतीय सितारे

विमेंस बिग बैश लीग ड्राफ्ट में भी दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में भारत की जेमिमाह रॉड्रिग्स और शिखा पांडे का नाम शामिल है, जो अपनी शानदार फॉर्म के चलते टीमों की नजर में हैं. इसके अलावा, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन और पाकिस्तान की फातिमा सना भी इस लिस्ट में जगह बनाने में सफल रही हैं. इंग्लैंड की लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, हीथर नाइट और डैनी वायट-हॉज, साथ ही साउथ अफ्रीका की शबनिम इस्माइल और च्लोए ट्रायन जैसे नाम भी इसका हिस्सा हैं.

सचिन चमके, कांबली गुमनाम हुए: एक दोस्ती की दास्तां

नई दिल्ली. टीम इंडिया में कभी एक साथ खेलने वाले दो दोस्तों की कहानी किसी से छिपी नहीं होगी. एक खिलाड़ी क्रिकेट का भगवान बन गया तो दूसरा खिलाड़ी अपनी गलत हरकतों की वजह से आज अंधेरे में खो गया है. रामाकांत आचरेकर से क्रिकेट के गुर सीखने वाले सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने जब अपने करियर की शुरुआत की तो कांबली आते ही इंटरनेशनल क्रिकेट में छा गए. जल्द ही उनकी लोकप्रियता सचिन तेंदलुकर से आगे निकल गई और यही कांबली पर भारी पड़ गया. वो अपनी लोकप्रियता को पचा नहीं पाए और नशा और लड़कियों के पास जाने लगे. ये खुलासा योगराज सिंह ने किया है. उन्होंने कांबली को चेतावनी दी थी कि वो संभल जाए, लेकिन विनोद ने उस बात को हल्के में लिया था.

आते ही टेस्ट क्रिकेट में छाए

भारतीय टीम के महान खिलाड़ी सचिन तेंदलुकर ने अपने करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. उन्होंने 664 मैचों में 34357 रन बनाए हैं. सचिन को इस समय क्रिकेट का भगवान कहा जाता है, वहीं उनका दोस्त विनोद कांबली अच्छी शुरुआत करने के बावजूद गहरे अंधेरे में खो गया. कांबली ने 1993 में जब अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की तो उन्होंने पहले चार टेस्ट मैचों के अंदर ही दो दोहरे शतक ठोक दिए.

वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज एक हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों में से एक हैं. इस खिलाड़ी ने अपना लास्ट टेस्ट मैच 1995 में खेला. इस दौरान कांबली ने 17 टेस्ट मैचों में 4 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 1084 रन बनाए. वनडे में कांबली ने 104 मैच खेले, जिसमें दो शतकों की मदद से 2477 रन बनाए. कांबली का वनडे करियर 1991 में शुरू होकर साल 2000 में समाप्त हो गया था.

कांबली में लगे थे ये आरोप

1996 वर्ल्ड कप के दौरान विनोद कांबली पर आरोप लगे थे कि वो देर रात तक शराब पीते हैं. इस तरह के कई आरोपों की वजह से उनके क्रिकेट करियर पर ग्रहण लगता चला गया. योगराज सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि जब कांबली का करियर खतरे में पड़ता हुआ दिखाई दे रहा था, तो मैंने कांबली को समझाया कि वो लड़कियों और नशे से दूर रहे और अपने क्रिकेट पर फोकस करे. इस पर विनोद कांबली ने कहा था कि सर आपका टाइम चला गया है. योगराज सिंह को लगा कि कांबली उस समय अपने को किंग समझ रहे थे और यही उनकी सबसे बड़ी गलती साबित हुई. विनोद कांबली हाल ही में बहुत ज्यादा बीमार पड़ गए थे तो पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उनकी मदद की थी.

हेडिंग्ले टेस्ट से पहले गंभीर की पिच को लेकर खास मांग

लंदन. भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। इस दौरे के लिए दोनों टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में जुट गई हैं। नव नियुक्त कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में जहां भारतीय टीम की नजर टेस्ट सीरीज जीतने पर है, वहीं इंग्लैंड मेहमान टीम को किसी भी तरह से रियायत देने के मूड में नहीं है। इंग्लैंड और भारत के बीच पहला टेस्ट लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाना है। उस पिच को लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पिच क्यूरेटर से खास डिमांड की है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेकेनहम काउंटी ग्राउंड के मुख्य क्यूरेटर जोश मार्डन ने खुलासा किया है कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन ने मांग की थी कि आगामी इंग्लैंड दौरे के तैयारी के लिए हमें अच्छी पिच चाहिए। उनकी सीधी मांग थी कि एक अच्छी पिच ना बहुत सपाट हो और ना ही बहुत हरी हो। जोश मार्डन ने बाताया कि उन्होंने ऐसी पिच की डिमांड की है कि जो बैट्समैन और बॉलर के लिए समान परिस्थितियां पैदा कर सके। इस मांग को देखते हुए उन्होंने पिच घास की मोटाई, नेट की चौड़ाई और लंबाई बढ़ाई है।

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट स्क्वाड इस प्रकार है-

जूनियर महिला हॉकी: बेल्जियम को 2-1 से हराया भारत ने

ब्रसेल्स. भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में बेल्जियम पर जीत का सिलसिला जारी रखा। भारत ने बेल्जियम के एंटवर्प में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में बेल्जियम की टीम को 2-1 के कड़े स्कोर से हराया। लालथंतलुंगी (35) और गीता यादव (50) ने भारत के लिए गोल किये। पहला हाफ गोलरहित रहा, क्योंकि दोनों टीमें कड़े मुकाबले में गतिरोध को तोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। 35वें मिनट में, भारत ने आखिरकार पहला गोल किया, जब लालथंतलुंगी ने एक भाग्यशाली पेनल्टी स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला। आखिरी क्वार्टर में, वैन हेलेमोंट (48) ने बेल्जियम के लिए फील्ड गोल के जरिए बराबरी का गोल किया। हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, गीता यादव ने खुद फील्ड गोल करके भारत के लिए विजयी गोल किया। इसके बाद भारत ने मैच के अंतिम 10 मिनट में बेल्जियम के हमलों को रोकने के लिए अच्छा बचाव किया और सुनिश्चित किया कि

वे बेल्जियम पर एक और जीत का आनंद लें। अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भारतीय टीम अब 5 मैचों के दौरे के लिए यूरोप पहुंच गई है, जहां उन्होंने रविवार को बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारतीय टीम ने हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में 3-2 से गेम जीता। लगातार दो जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला टीम 12 जून को यूरोप के अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से खेलेगी। अर्जेंटीना में भारतीय टीम ने बेहतरीन विरोधियों के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चिली के खिलाफ 2-1 से जीत और 2-2 (2-3 शूट आउट) की हार दर्ज की, मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ 1-1 (2-0 शूट आउट) की जीत और 2-4 की हार हासिल की, और उरुग्वे को दो बार 3-2 और 2-2 (3-1 शूट आउट) से हराया। उल्लेखनीय है कि ये मैच एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 के लिए भारत की तैयारी का भी अहम हिस्सा हैं, जो दिसंबर 2025 में चिली के सैंटियागो में होने वाला है।

भूटिया का एआईएफएफ पर निशाना: बोनस नहीं, सिस्टम दो!

नई दिल्ली. एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर में हांगकांग से भारत की 0-1 की हार के बाद, भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की कड़ी आलोचना की, जिसमें कथित तौर पर खिलाड़ियों को मैच जीतने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की पेशकश की गई थी। अपने शुरुआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के बाद, भारत को प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए जीत की सख्त जरूरत थी। हालांकि, स्टॉपेज-टाइम पेनल्टी ने उनकी उम्मीदों को धराशायी कर दिया, जिससे एक और निराशाजनक परिणाम सामने आया। भूटिया ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे से 'भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए' पद छोड़ने का आह्वान किया और इस तरह के तदर्थ वित्तीय प्रोत्साहनों के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। भूटिया ने कहा, 'हमने ऐसी रिपोर्ट देखी हैं कि खिलाड़ियों को 2,500 रुपये का दैनिक भत्ता भी नहीं मिला है। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों के पास क्रिकेटरों की तरह केंद्रीय अनुबंध नहीं हैं। वे लाखों या करोड़ों

में नहीं कमाते। उनका मुआवजा मुख्य रूप से दैनिक भत्तों से आता है। फिर अचानक, कहीं से भी, अगर वे मैच जीतते तो 50,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार घोषित किया जाता। यह कहां से आया? अगर वे जीत जाते, तो क्या अगले चार मैचों के लिए भी यही बोनस दिया जाता? स्पष्ट रूप से कोई प्रणाली नहीं है, कोई रणनीति नहीं है। बिना किसी स्पष्टता के सिर्फ बेमतलब के फैसले लिए जा रहे हैं।'

पिछले साल से टीम इंडिया का फॉर्म खराब

जुलाई 2023 में, भारत फीफा रैंकिंग में 99वें स्थान पर था और उसका साल शानदार रहा – इंटरकॉन्टिनेंटल कप, ट्राई-नेशन टूर्नामेंट और सैफ चैंपियनशिप जीतना। हालांकि, भूटिया ने टिप्पणी की कि तब से 'एक के बाद एक पराजय' आ रही हैं। पूर्व कोच इगोर स्टिमैक के विवादास्पद रूप से पद छोड़ने और फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर से भारत के बाहर होने के बाद, टीम 2024 में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई। उनकी एकमात्र जीत हाल ही में तब मिली जब अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने संन्यास से वापसी करते हुए टीम को मालदीव पर 3-0 से जीत दिलाई – भारत की 489 दिनों में पहली जीत। जबकि उज्बेकिस्तान जैसे देश अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन हासिल कर रहे हैं, भारत अब 2027 एशिया कप से चूकने की गंभीर संभावना का सामना कर रहा है – एक ऐसा टूर्नामेंट जिसके लिए वे हाल के वर्षों में लगातार क्वालीफाई करते रहे हैं। व्यापक स्थिति पर विचार करते हुए, भूटिया ने बिना किसी संकोच के कहा, 'कल्याण चौबे के नेतृत्व में पिछले ढाई से तीन साल बहुत खराब रहे हैं। मैदान पर प्रदर्शन खराब रहा है, और मैदान के बाहर प्रबंधन अव्यवस्थित रहा है, जो विवादों से भरा रहा है। भारतीय फुटबॉल की खातिर उनके लिए पद छोड़ने का समय आ गया है।'

फ्यूचर फेब-4 में दो भारतीय! न्यूजीलैंड लीजेंड की भविष्यवाणी

नई दिल्ली. विराट कोहली, केन विलियम्सन, जो रूट और स्टीवन स्मिथ के इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद अगला फेब-4 कौन होगा? ये क्रिकेट फैंस के जेहन में घूम रहा है. ये चार क्रिकेटर लंबे समय से इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं और कई ऐसे रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं, जिसे तोड़ पाना काफी मुश्किल है. इसमें से कुछ इंटरनेशनल क्रिकेट के कुछ फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. ऐसे में ये संभावना जताई जा रही है कि ये चारों क्रिकेटर कुछ साल बाद ही क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं. इसी को देखते हुए न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज ने फ्यूचर के फेब-4 के नाम दुनिया के सामने रख दिया है. इसमें दो टीम इंडिया के खिलाड़ी हैं.

इन दो भारतीयों को फेब-4 में

किया शामिल

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने फ्यूचर के फेब-4 के नाम क्रिकेट फैंस को बताए हैं. उन्होंने इसमें टीम इंडिया के खिलाड़ियों को जगह दी है. विलियम्सन ने टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र और इंग्लैंड के व्हाइट बॉल के कप्तान हैरी ब्रूक को अपने फेब-4 में शामिल किया है. न्यूजीलैंड के इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सूची में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम भी जोड़ा है. उनका कहना है कि ये ऑलराउंडर ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय तक क्रिकेट खेल सकता है. केन विलियम्सन लंबे समय टी20I क्रिकेट नहीं खेली है. जबकि विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के दो फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं.

विराट ले चुके हैं दो फॉर्मेट से रिटायरमेंट

टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली टेस्ट और टी20I से रिटायरमेंट ले चुके हैं. वो केवल वनडे क्रिकेट में खेलते हुए नजर आएंगे. हालांकि केन विलियम्सन ने अभी तक किसी फॉर्मेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन वो लंबे समय से टी20I क्रिकेट नहीं खेली है.

यही हाल इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट का भी है. वो भी लंबे समय से टी20I क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली है. ऐसी संभावना जताई जा रही है कि ये चारों खिलाड़ी आने वाले कुछ साल तक ही इंटरनेशनल क्रिकेट में नजर आ सकते हैं. ऐसे में फ्यूचर के फेब-4 पर जिम्मेदारी काफी बढ़ जाएगी.

इस फेब-4 ने दुनिया पर किया था राज

टीम इंडिया का भी एक ऐसा फेब-4 था, जिसने लंबे समय तक दुनिया पर राज किया. इसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण शामिल थे. इन चारों खिलाड़ियों ने लंबे समय तक दुनिया की क्रिकेट पर अपना सिक्का चलाया था. इसमें एक पांचवें खिलाड़ी का नाम भी शामिल है, वो है सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, जिसने सुनील गावस्कर के रिटायरमेंट के बाद टेस्ट में ओपनिंग का जिम्मा अपने कंधों पर उठा लिया था.

बाबर, रिजवान, शाहीन फिर बाहर- सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी जारी

लाहौर. राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने पूर्व कप्तानों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अनदेखी जारी रखी है और उन्हें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए टी20 टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आगा के परामर्श से सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया। यह निर्णय व्हाइट-बॉल दौरों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनके हालिया प्रदर्शन पर आधारित लगता है। रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका में 2-0 से टी20 सीरीज में हार का सामना किया, जिसमें बाबर ने भी हिस्सा लिया था। उसके बाद, दोनों को न्यूजीलैंड दौरे और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक सीनियर

अधिकारी ने बताया, "पाकिस्तान का मैनेजमेंट और चयन समिति बाबर और रिजवान से आगे बढ़ना चाहती है, जबकि हेसन और सलमान दोनों ने कहा है कि दोनों पूर्व सलामी बल्लेबाजों के लिए दरवाजा बंद नहीं हुआ है, जिनका स्ट्राइक रेट और टी20 में बल्लेबाजी फॉर्म हाल की हार में पाकिस्तान की समस्याओं का हिस्सा रहा है।" चयन समिति, जिसमें अब पूर्व कप्तान सरफराज अहमद और पूर्व तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त पर्यवेक्षक हैं, ने यह सुनिश्चित किया है कि बांग्लादेश और वेस्टइंडीज में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए टीमों में इनमें से कोई भी समस्याग्रस्त खिलाड़ी नहीं होगा।

आप लड़ेगी बिहार की हर सीट पर चुनाव, गठबंधन से दूरी

पटना.

बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी भी मैदान में उतरेगी. पार्टी ने सभी सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ने का फैसला किया है. दिल्ली आप के चीफ और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार (11 जून) को इसकी जानकारी दी. गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम अकेले बिहार में चुनाव लड़ेंगे. सौरभ भारद्वाज ने कहा, "गुजरात के अंदर पांच सीटों पर उपचुनाव होने तय थे. चार सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार थे. एक सीट पर हमारा उम्मीदवार जीता हुआ था.

तो तय ये हुआ था कि जहां पर उनका उम्मीदवार जीता हुआ था, वहां पर वो चुनाव लड़ेंगे.

जहां हमारा जीता था वहां हम चुनाव लड़ेंगे. चार सीटों के उपचुनाव हो गए. कांग्रेस ने चुनाव लड़ा. हमने वहां चुनाव नहीं लड़ा.

मगर जब पांचवीं सीट का उपचुनाव आया, हमने अपना उम्मीदवार खड़ा किया तो कांग्रेस ने भी वहां पर अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया. मुझे लगता है कि गठबंधन का धर्म तो ये नहीं था. बाकी जो बड़े नेताओं का फैसला होगा पीएसी में वो हम भी मानेंगे. बिहार के अंदर हम अकेले चुनाव लड़ रहे हैं."

इसके आगे उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पॉलिसी झूठ बोलने की है. बार-बार इतने झूठ बोलो कि लोग आपके झूठ को सच मानने लगें.

मुख्यमंत्री 31 मई को 100 दिन पूरे होने पर कहती हैं कि एक भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा और अगले ही दिन मद्रासी कैंप में करीब 800 झुग्गियों तो तोड़ दिया जाता है.

बिहार के लोग बीजेपी को भगा सकते हैं- सौरभ भारद्वाज : पूर्व मंत्री ने आगे कहा, "जिस तरह से दिल्ली के अंदर हमारे बिहार के लोगों का रोजगार को खत्म किया जा रहा है और जहां-जहां पर भी उनके छोटे-छोटे घर थे, उनको बुलडोजर से गिराया जा रहा है. कहा जा सकता है कि बिहार के लोगों को बिहार वापस भगाया जा रहा है. अगर भारतीय जनता पार्टी बिहार के लोगों को बिहार वापस भगा सकती है तो बिहार के लोग भारतीय जनता पार्टी को बिहार से भगा सकते हैं."

अस्पतालों में बढ़े डिहाइड्रेशन के मामले

लखनऊ.

उत्तर भारत में पड़ रही भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को बेहाल कर दिया है. भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट पर जारी स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 11 जून और 12 जून को दिल्ली-एनसीआर में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है. इसी के साथ मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.

इस दौरान दिन में तेज सतही हवाएं, धूल भरी आंधी और हीट वेव जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ेगा. 13 जून को तापमान थोड़ा गिरकर 43 डिग्री तक रहने का अनुमान है, लेकिन मौसम विभाग ने फिर भी येलो अलर्ट जारी किया है.

इस दिन गर्मी के साथ नमी, तेज हवाएं, और गर्जन के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे उमस, बेचैनी और अधिक बढ़ सकती है.14 जून से राहत की उम्मीद है. हालांकि, बिजली-गिरने और आंधी का खतरा भी बताया गया है.

मौसम विभाग के अनुसार 14 जून से मौसम में बदलाव देखने के लिए मिल सकता है. इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है और तापमान 40 डिग्री तक गिर सकता है.

मौजूदा गर्मी की स्थिति के बीच दिल्ली और एनसीआर के अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और चक्कर आने की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या में 90 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई है. खासकर बच्चे और युवा बड़ी संख्या में अस्पतालों का रुख कर रहे हैं. डॉक्टरों ने लोगों को दिन में बाहर निकलने से बचने, पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन बढ़ाने और धूप में सीधे संपर्क से बचने की सलाह दी है.भीषण गर्मी के इस दौर में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, हल्के सूती कपड़े पहनें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें. मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट को ध्यान में रखते हुए आम जन को सतर्क रहना बेहद जरूरी है.

78वें जन्मदिन पर लालू यादव ने तलवार से काटा केक

लखनऊ.

राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव आज 78 साल के हो गए. उन्होंने अपने 78वें जन्मदिन पर 78 किलो का लड्डू केक तलवार से काटा. उन्होंने अपने आवास पर बड़े धूमधाम से अपना जन्मदिन मनाया. इस दौरान उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त का उत्साह दिखा. लालू यादव जब 78 किलो का लड्डू केक काट रहे थे, इस दौरान उनका पैर मेज पर था. उनके समर्थकों ने खोखे से तलवार निकालकर लालू को दी. फिर आरजेडी चीफ ने केक काटे.

लालू यादव के तलवार से केक काटने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. इसको लेकर कुछ नेता उन पर निशाना भी साध रहे हैं. तलवार से केक काटने वाले वीडियो पर केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने लालू को बधाई देते हुए कहा कि लाठी में तेल पिलवाकर समाज को बांटने वालों के व्यवहार में बदलाव आ ही नहीं सकता. जीतन राम मांझी ने ट्वीट कर कहा, आज जब सरकार में नहीं हैं तो साहेब तलवार से केक काट रहें हैं, गलती से बेटवा कुछ बन गया तो एके-47 से केक को उड़ाया जाएगा.'

आबादी घटने की चिंता में डूबा चीन

बीजिंग.

बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह की रियायतें

चीन सरकार अब खुलेआम अपने नागरिकों से कह रही है- काम छोड़ो, शादी करो और बच्चे पैदा करो. आबादी घटने की चिंता में डूबा चीन अब युवाओं को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह की रियायतें दे रहा है. देश के कई प्रांतों में शादी की छुट्टी को 3 दिन से बढ़ाकर 30 दिन तक कर दिया गया है.चीन के सबसे अधिक आबादी वाले सिचुआन प्रांत ने शादी की छुट्टी को 3 से बढ़ाकर 20 दिन कर दिया है. अगर आप शादी से पहले मेडिकल चेकअप भी कराते हैं तो आपको 5 दिन की और छुट्टी मिल जाएगी. यानी कुल 25 दिन की छुट्टी, वो भी पूरी सैलरी के साथ. ये प्रस्ताव फिलहाल जून महीने तक लोगों की राय के लिए खुला है.

कन्फ्यूशियस की धरती कहे जाने वाले शेडोंग प्रांत में भी शादी की छुट्टी अब 18 दिन कर दी गई है. शांक्सी और गांसू जैसे प्रांतों ने तो इसे और आगे बढ़ाकर 30 दिन तक कर दिया है. चीन में फिलहाल केंद्र स्तर पर सिर्फ 3 दिन की शादी छुट्टी का प्रावधान है जो 1980 से चला आ रहा है.

दरअसल, चीन में शादी करने वाले लोगों की संख्या लगातार घट रही है.

2025 की पहली तिमाही में केवल 1.81 मिलियन जोड़ों ने शादी की रजिस्ट्रेशन करवाई, जो पिछले साल के मुकाबले 8% कम है. 2023 में थोड़ी बढ़त के बाद आंकड़े फिर गिर गए और अब ये स्तर 1980 के बाद सबसे नीचे है.

कम शादियां सीधे तौर पर घटती जन्मदर से जुड़ी हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि अब युवा तब तक शादी नहीं करना चाहते जब तक उन्हें बच्चे की प्लानिंग न करनी हो. ऊपर से पढ़ाई और करियर में व्यस्तता, और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सोच ने पारंपरिक शादी की धारणा को और कमजोर किया है.

अमेरिका ने पाक आर्मी चीफ को भेजा न्यौता

नई दिल्ली.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं, जो दोनों देशों की रणनीतिक प्राथमिकताओं, क्षेत्रीय समीकरणों और आंतरिक राजनीति से प्रभावित हैं. ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों की दिशा बदलती हुई दिख रही है. इसी कड़ी में खबर ये है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अहमद शाह 14 जून को अमेरिकी सेना दिवस के अवसर पर वॉशिंगटन डीसी की यात्रा पर जा रहे हैं. यह कार्यक्रम अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है.

वॉशिंगटन में मौजूद पाकिस्तानी राजदूतावास के सूत्रों के मुताबिक 12 जून को मुनीर अमेरिका पहुंच सकते हैं और दुनिया भर के सैन्य नेताओं के साथ समारोह में शामिल होंगे. इस यात्रा के दौरान, अमेरिका पाकिस्तान से भारत और अफगानिस्तान पर हमला करने वाले आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील कर सकता है. हालांकि इसे लेकर अभी कोई जानकारी नहीं मिली है लेकिन इसे अमेरिका-चीन के रिश्तों और पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति के संदर्भ में देखा जा रहा है.

आसिम मुनीर को वॉशिंगटन बुलाने के पीछे भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय बातचीत से समस्याओं का समाधान करने की पहल हो सकती है.

पाकिस्तान, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसे प्रोजेक्ट्स के ज़रिए चीन के काफी करीब है. ऐसे में अमेरिका को पाकिस्तान के न्यूट्रल स्टेटस को लेकर भी संदेह बना हुआ है.

अमेरिका को चीन के साथ पाकिस्तान के गहराते रिश्ते बिल्कुल रास नहीं आ रहे, यही वजह है कि वो बार-बार पाकिस्तान को तवज्जो देकर उसे अपने साथ करना चाहता है. वो बात अलग है कि पाकिस्तान की स्थिति इस पर साफ नहीं है कि क्योंकि उस पर चीन का प्रभाव कहीं से अनदेखा नहीं है.

3.5 करोड़ के फ्लैट में 3 जिंदगिया खाक

नई दिल्ली.

दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 स्थित शबद अपार्टमेंट की नौंवी मंजिल में मंगलवार को आग लग गई. इस आग की वजह से तीन जिंदगियां चली गईं. 9वीं मंजिल पर एक पिता अपनी 10 साल की बेटी और बेटे के साथ बालकनी में खड़ा था. उसके सामने आग और उसकी लपटों के सिवा कुछ नहीं था. जब उसे कोई रास्ता और उम्मीद नहीं दिखी तो जान बचाने के लिए उसने एक-एक कर दोनों बच्चों को नीचे धकेला. . इस पूरी घटना ने ये भी बता दिया कि लोगों की संवेदनशीलता मर चुकी है. क्योंकि जिस समय उस

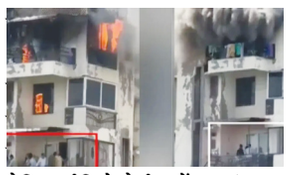

लेकिन वीडियो प्रेमी गद्दों का इंतजाम करने की बजाय कैमरा लेकर खड़े रहे. मृतक यश यादव (35) अपने बेटी-बेटा को धकेलकर जिंदगी की आस में कूदे थे. बगल की सोसाइटी से मौके पर पहुंची एक महिला ने बताया कि जिस समय उन्होंने देखा तो यश अपने दो बच्चों के साथ बालकनी में थे. उनको कहीं से कोई सहायता नहीं मिल रही थी. जब आग बालकनी में पहुंची तो वो नीचे कूद पड़े. इस दैरान किसी ने आगे बढ़कर उनकी मदद करने की कोशिश नहीं की.महिला ने बताया कि लोग उनकी मदद करने के बजाय वीडियो रिकॉर्ड करते रहे. अगर लोग साथ मिलकर कूद रहे लोगों के लिए चादर या तिरपाल पकड़कर खड़े हो जाते तो तीनों को बचा लिया जाता, लेकिन लोग तो वीडियो बनाते रहे और मानवता को शर्मशार कर दिया. बता दें कि फ्लैट में आग की शुरुआत हॉल से हुई. देखते ही देखते आग विकराल हो गई. पूरेघर में धुआं फैल गया. वहीं यश के भतीजे ने बताया कि मई 2023 में तीन करोड़ 50 लाख में चार कमरों का पेंटहाउस खरीदा गया था, लेकिन सब खत्म हो गया.

चिराग का दलित मतदाताओं को एकजुट करने पर फोकस

पटना. क्या राजनीति में 'शहंशाह' बनने के चक्कर में चिराग पासवान 'फकीर' बनने के रास्ते पर चल दिए हैं? शाहाबाद क्षेत्र बीते कुछ दिनों से बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण हो गया है. एलजेपी (रामविलास) के सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने जब से इस क्षेत्र में दिलचस्पी लेना शुरू किया है, उसके बाद से ही यह क्षेत्र अचानक ही सुर्खियों में आ गया है. शाहबाद क्षेत्र में जातीय समीकरण और स्थानीय नेतृत्व की अहम भूमिका रही है. कभी आरजेडी का गढ़ रहे इस क्षेत्र में बीते लोकसभा चुनाव में एनडीए उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा की हार ने गठबंधन को बड़ा झटका दिया था. कुशवाहा वोटों के विभाजन के कारण भाजपा को इस क्षेत्र में कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था, जिससे शाहाबाद क्षेत्र में भाजपा का सफाया हो गया था. लेकिन चिराग पासवान अब इस एरिया के नए शहंशाह बनने का सपना देख रहे हैं. लेकिन हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा उन्हें 'लंघी' यानी झटका दे दें तो हैरानी नहीं होगी.

शाहाबाद में दलित (पासवान, मुसहर),ओबीसी (कुशवाहा, यादव), और इबीसी मतदाता निर्णायक हैं. चिराग का पासवान वोट, कुशवाहा का ओबीसी आधार, और मांझी का मुसहर समुदाय एनडीए के लिए फायदेमंद हो सकता है. लेकिन आरजेडी-सीपीआई(एमएल) का यादव-मुस्लिम-दलित गठजोड़ अभी भी इस क्षेत्र में मजबूत है. चिराग की रैली और उनकी 'बिहार बुला रहा है' की घोषणा से यह स्पष्ट है कि वे क्षेत्र में दलित वोटों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं, जो सीपीएल(एमएल) के लिए चुनौती है. वहीं, चिराग (40 सीटों की मांग), कुशवाहा (20 सीटें), और मांझी (30-40 सीटें) की महत्वाकांक्षाएं एनडीए के सीट बंटवारे को जटिल बना रही हैं.

आरसीबी याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

बेंगलुरु.

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख निखिल सोसले द्वारा दायर अंतरिम राहत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा, जिन्हें 6 जून को टीम के 2025 आईपीएल विजय समारोह से पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बेंगलुरु भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था. न्यायालय ने कार्यक्रम आयोजक कंपनी मेसर्स डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट के सुनील मैथ्यू, किरण कुमार एस और शमंत एन पी माविनाकेरे की अंतरिम याचिकाओं पर भी आदेश सुरक्षित रखा.

इस बीच, राज्य की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने दलील दी कि टीम ने विजय परेड

आयोजित करने की कोई अनुमति नहीं ली थी और आरसीबी की जीत से महज एक घंटे पहले सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की गई थी. आरसीबी ने बिना अनुमति के पूरी दुनिया को आमंत्रित किया. महाधिवक्ता ने तर्क दिया कि आरसीबी द्वारा कोई अनुमति नहीं मांगी गई थी, उन्होंने कहा, "उन्होंने हमें आरसीबी की जीत के लिए आयोजित कार्यक्रम के बारे में सिर्फ एक सूचना पत्र दिया. यह नियमों के खिलाफ है. कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा 3 जून को शाम 6.30 बजे सूचना दी गई. आरसीबी द्वारा जीत के बाद 3 जून को रात 11.30 बजे घोषणा की गई. इसके बाद उन्होंने कहा कि 4 जून को सुबह 7.01 बजे, आरसीबी के सोशल मीडिया हैंडल ने विधान सौध से विजय परेड के चिन्नास्वामी स्टेडियम में समाप्त होने के बारे में पोस्ट किया.

उन्होंने तर्क दिया, "उनके 28 लाख से ज़्यादा फ़ॉलोअर्स हैं. उन्होंने पूरी दुनिया को आमंत्रित किया है, लेकिन कोई अनुमति नहीं दी गई है. सुबह 8 बजे फिर से आरसीबी ने एक और ट्वीट किया जिसमें समर्थकों को चीयर करने के लिए कहा गया. टिकटों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई. 8.55 बजे एक और ट्वीट किया गया. इसमें भी यह जानकारी नहीं दी गई कि स्टेडियम में कौन भाग ले सकता है. याचिकाओं में इन तथ्यों को दबा दिया गया है. वे गंदे हाथों से अदालत में आए हैं, ऐसा दिखा रहे हैं जैसे कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा किया गया है. यह आरसीबी का कार्यक्रम था."

भारत अब झुकता नहीं

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बोले संजय सेठ

शिमला.

शिमला में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने बुधवार (11 जून) को केन्द्र की मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष में प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया. केंद्रीय राज्यमंत्री ने मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मैं भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड से आता हूं, जहां हम 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाते थे आज सारा देश भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाता है.उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब लाल किले की प्राचीर से संबोधन करते हैं तो भगवान बिरसा मुंडा को याद कर उनकी प्रेरणा की बात बताते हैं. उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत की ओर सम्मान की नजर से देखती है, भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदला है. उन्होंने कहा कि दुनिया में लूटपाट की घटनाएं देखने को मिलीं, लेकिन हिन्दुस्तान में एक पान की दुकान तक नहीं लूटी गई. रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के आवाहन पर दुनिया के 175 देशों ने 21 जून को योग दिवस के रूप में स्वीकार किया. पीएम मोदी ने मोटे अनाज के उपयोग की बात कही, पूरी दुनिया ने मोटा अनाज खाना शुरू कर दिया, जिससे हमारे छोटे किसानों को लाभ हुआ.संयज सेठ ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओं के मोदी सरकार के मंत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यह मंत्र देश की बेटियों का हौसला बढ़ा रहा है. उन्होनें कहा कि अभी कुछ दिन पहले 2 बेटियां लेफ्टिनेंट कमांडर दिलीना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा दुनिया के समुद्र का 43 हजार कि.मी. का चक्कर लगाकर गोवा पहुंची हैं.

118 देशों को वैक्सीन देकर दुनिया को बचाया

संजय सेठ ने कहा कि आज का भारत नया भारत है, जो न किसी से डरता है, न झुकता है, न नजर चुराता है और न किसी के आगे हाथ फैलाता है. दुनिया में जब कोरोना आया और दुनिया ने वैक्सीन इजाद की थी, हमने भी एक नहीं 2-2 वैक्सीन इजाद की तो कांग्रेस पार्टी ने मजाक उड़ाया. प्रधानमंत्री ने न केवल 140 करोड़ जिंदगियों को बचाया, बल्कि 118 देशों को वैक्सीन देकर दुनिया को भी बचाया.